भाद्रपद कृष्ण - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 29 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 21-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कुलदीप यादव एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके

6 संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग का ऐसा अपमान किसे स्वीकार्य होगा?

7 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का हिस्सा होंगे बॉबी देओल

फर्स्ट टेक

दीपावली-छठ के मौके पर बिहार के लिए 12000 ट्रेन सेवायें

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे दीपावली और छठ के अवसर पर बिहार के लिए 12000 से अधिक ट्रेन सेवायें संचालित करेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यहां बताया कि दीपावली और छठ के मौके पर होने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने इस दौरान 12000 से अधिक ट्रेन सेवायें संचालित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद संजय झा और सांसद डॉ संजय जायसवाल की मौजूदगी में यह घोषणा की। बिहार के इन नेताओं ने रेल भवन में वैष्णव से मुलाकात की थी। उन्होंने बताया कि गया से दिल्ली के लिए नई अमृत भारत ट्रेन सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

स्टारलिंक ग्राहकों के सत्यापन के लिए करेगी 'आधार' का इस्तेमाल

नई दिल्ली/भाषा। अरबपति एलन मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिंक भारत में ग्राहकों को जोड़ने से पहले उनके सत्यापन के लिए 'आधार' प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करेगी। बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाएं देने वाली इकाई स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। स्टारलिंक ग्राहकों के सत्यापन के लिए 'आधार' प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करेगी। स्टारलिंक के ग्राहक जोड़ने के पहले आधार का इस्तेमाल करने से पूरी प्रक्रिया सुचारू, सुरक्षित और बहुत आसान हो जाएगी। यूआईडीएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी भुवनेश कुमार और स्टारलिंक इंडिया के निदेशक पर्नील उर्ध्वरेषे की मौजूदगी में इस साझेदारी पर सहमति जताई गई।

बांग्लादेश में आम चुनाव अगले साल फरवरी में

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में 13वें संसदीय चुनाव होंगे। चुनाव आयोग के इस बाबत इसी सप्ताह एक ब्यौरेवार कार्ययोजना जारी किए जाने की संभावना है। चुनाव आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने सरकारी संस्था बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) को बताया कि चुनाव रोडमैप का एक मसौदा तैयार कर लिया गया है और इसे जल्द ही अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना चुनावों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अंतर-विभागीय समन्वय और संचालन संबंधी मुद्दों पर केंद्रित होगी।

21-08-2025 सूर्यास्त 6:37 बजे | 22-08-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE 81,857.84 (+213.45) | NSE 25,050.55 (+69.90)

सोना 10,418 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 117,035 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आओ सोचें नया

छोड़ें बीते कल की बातें,
हम लिखें नया इतिहास आज।
सबसे पहले हो राष्ट्रधर्म,
हों जाति मुक्त सारे समाज।
हो राजनीति भी दल विहीन,
गुणियों-सच्चों को मिले राज।
हर मन में हो सौहार्दभाव,
हर योग्य व्यक्ति को मिले काज।।

देश की जनता तय करेगी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री जेल से सरकार चलाएंगे या नहीं : शाह

- गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक लोकसभा में पेश, संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि अब देश की जनता को यह तय करना होगा कि क्या जेल में रहकर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री का सरकार चलाना उचित है।

इससे पहले, गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए, जिन्हें सदन ने अध्ययन के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया।

शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया।

शाह ने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आप को कानून के दायरे में लाने का संविधान संशोधन पेश किया है और दूसरी ओर ''कानून के दायरे से बाहर रहने, जेल से सरकारें चलाने एवं कुर्सी का मोह न छोड़ने के लिए'' कांग्रेस के नेतृत्व में पूरे विपक्ष ने इसका विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, अब देश की जनता को यह तय करना पड़ेगा कि क्या जेल में रहकर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री का सरकार चलाना उचित है?''

शाह ने कहा कि देश में राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी सरकार की प्रतिबद्धता और जनता के आक्रोश को देखकर उन्होंने संसद में लोकसभा अध्यक्ष की सहमति से संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश किया, ताकि महत्वपूर्ण संवैधानिक पद, जैसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री जेल में रहते हुए सरकार न चला पाएं। उन्होंने लिखा, इस विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में गिरते जा रहे नैतिकता के स्तर को ऊपर उठाना और राजनीति में शुचिता लाना है। शाह ने कहा कि इन तीनों विधेयक से जो कानून अस्तित्व में आएगा, वह यह है कि: कोई भी व्यक्ति गिरफ्तार होकर जेल से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र या राज्य सरकार के मंत्री के रूप में शासन नहीं चला सकता है।

97 तेजस जेट विमानों की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने भारतीय वायु सेना के लिए लगभग 85,000 करोड़ रुपये की लागत से 97 हल्के लड़ाकू तेजस विमान और छह उन्नत हवाई पूर्व चेतावनी और नियंत्रण (एईडब्ल्यू एंड सी) विमानों की प्रस्तावित खरीद को मंजूरी दे दी है। मामले से परिचित लोगों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि माना जाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने दोनों खरीद परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। जानकारी मिली है कि तेजस विमान की खरीद लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत से की जाएगी, जबकि एईडब्ल्यू एंड सी विमानों की खरीद के लिए सरकारी खजाने से लगभग 18,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रक्षा मंत्रालय ने 97 एलसीए तेजस (एमके-1ए) लड़ाकू विमानों की खरीद का फैसला किया है। इससे चार साल पहले मंत्रालय ने इसी तरह के स्वदेश निर्मित तेजस विमान की खरीद के लिए एक अन्य समझौता किया था।

मध्ययुगीन काल में वापस जा रहा है देश : राहुल गांधी

- राहुल गांधी ने भाजपा पर बिहार में महाराष्ट्र शैली की "वोट चोरी" का प्रयास करने का भी आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश को मध्ययुगीन काल में धकेला जा रहा है, जब राजा नापसंदगी वाले व्यक्ति को गिरफ्तार करवा देता था। उन्होंने उन नये विधेयकों की आलोचना की जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान किया गया है।

गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार तीस दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए जिन्हें सदन ने विचार के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया।

गांधी ने विपक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''भाजपा जो नया विधेयक प्रस्तावित कर रही है, उस पर काफी काम किया जा रहा है। हम मध्ययुगीन काल में वापस जा रहे हैं जब राजा अपनी मर्जी से किसी को भी हटा सकता था।'' उन्होंने कहा, ''एक निर्वाचित व्यक्ति क्या होता है, इसकी कोई अवधारणा ही नहीं है। उन्हें आपका चेहरा पसंद नहीं आता, इसलिए वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मामला दर्ज करने को कहते हैं और फिर लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए व्यक्ति को 30 दिन के भीतर हटा दिया जाता है। यह नया है।''

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बिहार में महाराष्ट्र शैली की ''वोट चोरी'' का प्रयास करने का भी आरोप लगाया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हुआ हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के समय मुख्यमंत्री गुप्ता आम लोगों की शिकायतें सुन रहीं थीं। एक शख्स भी अपनी शिकायत लेकर वहां पहुंचा और उसने शीमती गुप्ता पर हमला कर दिया। उसके इस हमले की वजह का फिलहाल पता नहीं चला है।

पुलिस हमलावर शख्स को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध की जगह होती है, लेकिन हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है।

उन्होंने कहा उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस, दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आशा है मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

इजराइल की गाजा में युद्ध के नए चरण की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। इजराइल आने वाले दिनों में गाजा शहर में एक व्यापक सैन्य अभियान शुरू करने की तैयारी में जुटा है। वहीं दूसरी ओर वार्ताकार इजराइल और हमास के बीच 22 महीनों से जारी संघर्ष समाप्त करने के लिए युद्धविराम की कोशिशों में लगे हुए हैं।

इजराइली सेना ने बुधवार को बताया कि रक्षा मंत्री ने गाजा के कुछ सबसे घनी आबादी वाले इलाकों में अभियान के एक नए चरण की शुरुआत की योजना को मंजूरी दे दी है।

सेना के मुताबिक, 60,000 रिजर्व सैनिकों को बुलाया जाएगा और वर्तमान में सेवारत अतिरिक्त 20,000 रिजर्व सैनिकों की सेवा अवधि बढ़ाई जाएगी।

इजराइली सेना का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब मानवाधिकार समूहों ने चेतावनी दी है कि गाजा में मानवीय संकट और भी बदतर हो सकता है।

जीएसटी सुधार आम आदमी, किसान, मध्यम वर्ग, छोटे कारोबारियों के फायदे के लिए : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के युक्तिकरण का उद्देश्य आम आदमी, किसान, मध्यम वर्ग और एमएसएमई को अधिक राहत प्रदान करना है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि इसके साथ ही इसके माध्यम से अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को और सरलीकृत, पारदर्शी और विकासोन्मुखी करने का प्रयास है।

उन्होंने जीएसटी परिषद द्वारा क्षतिपूर्ति उपकर, स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, तथा दरों के युक्तिकरण पर गठित मंत्रिसमूहों (जीओएम) को संबोधित करते हुये यह बात कही।

बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, गोवा के मुख्यमंत्री, बिहार के उपमुख्यमंत्री और तीनों जीओएम में शामिल राज्यों के वित्त मंत्री भी उपस्थित थे।

केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की भावना के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को लागू करने के लिए आने वाले हफ्तों में राज्यों के साथ व्यापक सहमति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दो दिन की इस बैठक में मंत्रियों के ये समूह जीएसटी दरों के सरलीकरण, बीमा पर जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर के साथ कर प्रणाली में अगली पीढ़ी के सुधारों पर चर्चा करेंगे। जीएसटी में सुधार लाने के लिए कर की दरों को घटा कर दो स्लैब में पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत करने की योजना है। कुछ अहितकर वस्तुओं पर केंद्र ने ऊंची (40 प्रतिशत) दर का भी प्रस्ताव किया है। अभी जीएसटी में पांच, 12,18 और 28 प्रतिशत की दर से कर लगता है। आवश्यक वस्तुएं शून्य या पांच प्रतिशत के दायरे में हैं।

अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण

बालासोर/भाषा। भारत ने बुधवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-5' का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि 'अग्नि-5' मिसाइल मौजूदा परीक्षण में सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों पर खरी उतरी। इसमें कहा गया है कि यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया।

ऑनलाइन गेमिंग को विनयमित करने वाला विधेयक लोकसभा में पारित

- ऑनलाइन गेमिंग, मनी गेमिंग के कारण परिवारों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।
- ऑनलाइन गेमिंग से धन शोधन और आतंकवाद का वित्तपोषण भी हो रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने एवं शैक्षणिक और सामाजिक ऑनलाइन खेलों को बढ़ावा देने वाले एक विधेयक को पारित कर दिया तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि समाज में एक बहुत बड़ी बुराई आ रही है जिससे बचने के लिए इस विधेयक को लाया गया है।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के सांसदों के हंगामे के बीच 'ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025' को सदन में पारित कराने के लिए रखते हुए वैष्णव ने कहा कि 'ऑनलाइन मनी गेम' आज समाज में बड़ी चिंता का विषय बन गया है और कई ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें इसकी लत लग जाती है तथा जिदंगी भर की बचत (ऑनलाइन) गेम में उड़ा देते हैं।

मंत्री ने कहा, फ्रॉड और चीटिंग एल्गोरिद्म ऐसे होते हैं कि पता ही नहीं चलता कि कौन किसके साथ खेल रहा है। अस्पष्ट एल्गोरिद्म होते हैं। हार निश्चित होती है। वित्तीय नुकसान होते हैं। कई परिवार बर्बाद हो गए। आत्महत्याएं भी हुई हैं।

सदन ने एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों की लगातार नारेबाजी के बीच बिना चर्चा के ध्वनिमत से 'ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025' को पारित कर दिया।

वैष्णव ने एक अंग्रेजी अखबार की कर्नाटक के बारे में प्रकाशित एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 31 महीनों में 32 आत्महत्याएं इस तरह के मामलों में हुई हैं।

वैष्णव ने कहा, यह लगभग स्थापित हो गया है कि ऑनलाइन गेमिंग, मनी गेमिंग के कारण परिवारों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि ऑनलाइन गेमिंग से धन शोधन और आतंकवाद का वित्तपोषण भी हो रहा है।

सहयोग

जैन धर्म में पर्युषण पर्व का विशेष महत्व है। पर्व के दौरान जैन धर्मावलंबी ज्यादा से ज्यादा तप, त्याग एवं सेवा कार्य करते हैं। उसी श्रृंखला में जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा दोड्डबलापुर द्वारा बुधवार को क्षेत्र की विभिन्न सरकारी स्कूलों में नोटबुक्स एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने कहा कि जैन धर्म एवं जैन संस्कृति आत्म विकास की संस्कृति है। युवा शाखा के अध्यक्ष नवीन बाफना, मंत्री निखिल गादिया एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत का सम्मान किया।

आत्मशुद्धि का महान पर्व है पर्युषण : साध्वी पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरआर नगर स्थित तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में पर्युषण पर्व का प्रथम दिन खाद्य संयम दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वी पुण्ययशा जी ने कहा कि पर्युषण महापर्व जैन धर्म का एक विशिष्ट पर्व है। यह पर्व क्षमा, प्रेम, त्याग, पुरुषार्थ, तप और आत्मशुद्धि का महान पर्व है। इस पर्व की गरिमा अहिंसा के महत्व को उजागर करती है। साध्वीश्री ने भगवान महावीर के सम्यक्त्व प्राप्ति के प्रथम भव नयसार का घटना प्रसंग बताते हुए कहा कि यदि जीवन में सफलता पानी है, तो विकास करना है तो अच्छे काम करो, जीवन में निर्जरा को समझो, पुण्य की टंकी अपने आप भर जाएगी। साध्वी बोधिप्रभा जी ने कहा आहार और जीवन का गहरा अनुबंध है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हितभुक ,मितभुक, ऋतभुक करना चाहिए। जो भोजन हितकर हो, परिमित हो, न्याय और प्रमाणिकता के साथ अर्जित किया गया हो वह भोजन हमारे भावतंत्र और व्यवहार को प्रभावित करता है। भोजन का संबंध समग्र जीवन के साथ जुड़ा हुआ है। साध्वी वर्धमानयशा जी ने खाद्य संयम दिवस पर गीतिका प्रस्तुत की। साध्वीश्री के सान्निध्य में मोनिका मांडोत एवं वंशिका बुच्चा ने नौ दिन का तप, किशोर बाँठिया, सृष्टि बैंगानी, हर्षिका गोटावट ने अठाई तप का तथा विजया देवी बाफना ने वर्धमान ओली तप तथा कई श्रावक-श्राविका ने उपवास तप का प्रत्याख्यान ग्रहण किए।

सामूहिक बछबारस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के माहेश्वरी महिला संगठन ने माहेश्वरी भवन में बछबारस का सामूहिक उद्यापन किया। उद्यापन करने वाली महिलाएं अपनी पारम्परिक वेशभूषा व श्रृंगार के साथ भवन पहुंची और सामूहिक रूप से अपने अपने न्योते वाले सदस्यों को भोजन करवाया। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियाणी, सावित्री मालू , पुष्पा सारड़ा, सुशीला राठी, शोभा भूतड़ा, सुनीता लाहोटी, सुलोचना जाजू, मंजू मोहता, गायत्री मालपानी, सुमन अजमेरा आदि ने उपस्थित होकर सामूहिक उद्यापन में भाग लिया।

पर्युषण आत्मनिरीक्षण का पर्व है : साध्वी सोमयशा

पर्युषण पर्व पर पहले दिन खाद्य संयम दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा यशवंतपुर के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में पर्युषण महापर्व का शुभारंभ हुआ। साध्वी सोमयशाजी ने कहा, पर्युषण आत्मनिरीक्षण का पर्व है। श्रावकों को सजग होकर, संयमित रहना चाहिए। संयम से सम्यक्त्व की प्राप्ति होती है। भगवान महावीर के जीव ने नयसार के भव में शुद्ध आहार का दान कर सम्यक्त्व की प्राप्ति की थी। साध्वी डॉ सरलयशाजी ने आचार्य जयाचार्य के निर्वाण दिवस पर जयाचार्यजी के गुणों को बताते हुए कहा जयगणी हमेशा पुण्यशाली को आगे रखते थे। उनकी एकाग्रता ने संघ को सौ साल तक सुनिश्चित कर दिया। साध्वी ऋषिप्रभाजी ने खाद्य संयम दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि मनुष्य जीवन जीने के लिए, साधना के लिए, आराधना के लिए अलग अलग प्रकार के आहार होते हैं परन्तु कुछ मनुष्य रसलोलुपता वश कुछ भी आहार कर स्वास्थ्य को बिगाड़ लेते हैं। महिला मंडल द्वारा जयाचार्य के गुणों को दर्शाते हुए गीतात्मक संवाद प्रस्तुत किया। संचालन साध्वी ऋषिप्रभा जी ने किया।ङ्कभेवाड भवन के मंत्री मदनलाल बोराणा ने सभी का स्वागत किया। सभा के मंत्री अनिल दक ने अष्टदिवसीय कार्यक्रम की सूचना दी। साध्वीश्री ने सभी को आठ दिनों के लिए त्यागपत्र भरने की बात कही। इस मौके पर टी.दासरहल्ली, राजाजीनगर,गंगानगर व यशवंतपुर के आसपास क्षेत्र से भी श्रावकों की अच्छी उपस्थिति थी।

मनुष्य के पापों को धोने का अवसर है पर्युषण पर्व : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि भारत पर्व प्रधान देश है। यहां पर्व बहुत होते हैं। ऐसे पर्व प्रधान देश में दो तरह के पर्व होते हैं। कुछ लौकिक पर्व है तो कुछ लोकोत्तर्। पर्युषण पर्व हमें आत्मा का ज्ञान कराता है। यह पर्व मनुष्य को अपने पापों को धोने का अवसर प्रदान करता है। इस पर्व में मनुष्य अपनी आत्मा की शुद्धि के साथ पाप कर्मों की निर्जरा कर सकता है। शुद्ध आत्मा को जगाने के लिए यह पर्युषण का पर्व आया है। अभी तक मनुष्य भवों में भटकने की वजह से सुखी नहीं हो पाया है। यह पर्व आत्मा का संदेश लेकर आया है। यह पर्व कहता है बाहर बहुत भटक लिए, लेकिन अब खुद में आ जाओ। संसार में रहकर मनुष्य खूब पाप करता है। अब उसी पाप को धोने का समय आया है। संतश्री ने कहा कि आत्मा को शुद्ध कर लिया तो जीवन सुधर जाएगा। यह पर्व मनुष्य को जगाने के लिए है। ऐसे समय में भी अगर मनुष्य नहीं जागा तो कुछ नहीं होगा। मनुष्य और परमात्मा में सिर्फ कर्मों के काटने का ही फर्क है। परमात्मा ने पहले अपनी आत्मा को शुद्ध किया, बुरे कर्म काटे इसलिए वह परमात्मा हो गए। मनुष्य भी अपनी आत्मा को शुद्ध कर परमात्मा बन सकता है। संसार नर्क और भोगने का रास्ता है। लेकिन मनुष्य आज इसी में रमन कर रहा है। आत्मा पर बुरे कर्मों की परत जमती जा रही हैं। जब तक उन परतों को हटाएंगे नहीं तब तक आत्म कल्याण संभव नहीं है। दुनिया में सारे धन एक तरफ और ज्ञान का धन एक तरफ। धर्म के लिए झुकना पड़ता है। अकड़ने से मनुष्य को कुछ मिलता नहीं है। गुरु का ज्ञान लेने आए हो तो झुक के ही लेना चाहिए। यह पर्व मनुष्य को ऐसे ही पाप कर्मों से बचाने के लिए आया है।ङ्क पर्युषण पर्व के प्रथम दिन शहर के अनेक वरिष्ठ श्रावक आदि उपस्थित थे। सभी का स्वागत संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए चातुर्मास पर्व के कार्यक्रमों की जानकारी दी।

'जीण माता का दरबार' सजेगा 24 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर की 'जीण माँ के दीवाने' संस्था द्वारा 24 अगस्त को विजयनगर स्थित

बसवेश्वरनगर सुगनाना कल्याण मंडप में द्वितीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कोलकाता के कारीगरों द्वारा राजस्थान की संस्कृति पर माँ जीण का दरबार सजाया जाएगा। दोपहर 3 बजे विधिवत पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। तत्पश्चात जयपुर के गायक कलाकार रवीश सोनी, सोनम सोनी एवं गुलशन सोनी भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस मौके पर जीण माता के जीवन चरित्र पर आधारित नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की जाएगी। जीण माता धाम के पुजारी धनंजय पाराशर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। संस्था के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार अग्रवाल, नवरंगलाल सुल्तानिया के साथ युवा एवं महिला टीम के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं ।

एक दूसरे से जोड़ने के लिए आते हैं पर्व : मुनि मलयप्रभसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनि मलयप्रभसागरजी ने पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस के अष्टान्हिका प्रवचन में कहा कि पर्व हमारे जीवन में हमें एक दूसरे से जोड़ने के लिए आते हैं। जो जोड़ने का कार्य करे वह पर्व कहलाता है। लोकोत्तर महापर्व पर्युषण हमें अपनी आत्मा से जोड़ता है। इसमें अपने अंतर में उतरकर अपनी आत्मा में झांकना होता है। पर्वतों में सिद्धाचल गिरिराज सबसे सर्वश्रेष्ठ है। नदियों में गंगा नदी श्रेष्ठ है, नक्षत्र तारों में सूर्य सर्वश्रेष्ठ है, गायों में कामधेनु गाय श्रेष्ठ है, इसी तरह पर्वों में महापर्व पर्युषण सर्वश्रेष्ठ है। यह महापर्व हमें संदेश देता है कि हमें रिश्तों की किताब में गलतियों से क्षमा देकर और मांग कर रिश्तों को पुनर्जीवित करना है। ङ्कसंतश्री ने कहा कि पर्युषण के पांच कर्तव्य मुख्य हैं जिनमें अमारी प्रवर्तन, साधार्मिक भक्ति, चैत्य परिपाटी, अष्टम तप और क्षमापना है। अमारी परिवर्तन में हमें अहिंसा का पालन करना है। पर्युषण महापर्व एक नया एहसास लेकर आता है। यह महापर्व हमें बाहर की दुनिया से भीतर की दुनिया में जाने का संदेश देता है। साधार्मिक भक्ति के तहत हमें किसी भी हमारे साधार्मिक को नीचे गिराने का भाव नहीं रखना चाहिए, उन्हें ऊपर उठाने का कार्य ही करना चाहिए। किसी का भी जाने अनजाने हमें दिल नहीं दुखाना चाहिए। मन से भी हमें किसी की हिंसा नहीं करनी है। स्वभाव को छोड़कर विभाव में जाना भी एक तरह की हिंसा ही है। पर्युषण महापर्व के दिनों में हम परमात्मा भक्ति करनी चाहिए। परमात्मा की आज्ञा पालन करके हमें परमात्मा की भक्ति करनी है। गुरुवार को प्रवचन के पश्चात कल्पसूत्र लाभार्थी परिवार के निवास स्थान पर ले जाया जाएगा।

हिंसा का त्याग कर चित्त की प्रसन्नता प्राप्त होती है : साध्वी मयूरयशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी की निश्रा में

पर्युषण महापर्व के पहले दिन साध्वीश्री ने कहा कि हम अगर सबको प्यार करेंगे यानी हिंसा का त्याग करेंगे तो हमें चित्त की प्रसन्नता मिलेगी, रोग रहित काया मिलेगी, सौंदर्यवान देह मिलेगा, दीर्घ आयुष्य मिलेगा, अनुकूल परिवार मिलेगा, परलोक में सुख सामग्री मिलेगी और अंत परम पद मोक्ष की प्राप्ति होगी। साध्वीश्री ने कहा कि जीवन में किसी भी प्रकार की हिंसा नहीं करना चाहिए। साध्वीश्री ने पर्युषण पर्व के पांच कर्त्तव्य अमारी प्रवर्तन, साधार्मिक भक्ति, चैत्य परिपाटी, अष्टम तप और क्षमापना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने आचार्यश्री हीरसूरीश्वरजी व बादशाह अकबर की कथा सुनाई। साध्वीश्री ने कहा कि पूरे विश्व में पांच असंतुलन हैं।पर्यावरण असंतुलन को दूर करने के लिए अमारी प्रवर्तन का कर्तव्य है। सामाजिक असंतुलन को दूर करने के लिए साधार्मिक भक्ति का कर्तव्य, संबंधों के असंतुलन को दूर करने के लिए क्षमापना, शारीरिक असंतुलन को दूर करने के लिए अष्टम का तप और आध्यात्मिक असंतुलन को दूर करने के लिए चैत्य परिपाटी का कर्तव्य बताया है।

हमला सिर्फ मुझ पर नहीं, बल्कि दिल्ली की सेवा करने के हमारे संकल्प पर हुआ : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान उन पर हुआ हमला लोगों की सेवा करने के उनके संकल्प को डिगाने का एक ''कायरतापूर्ण प्रयास'' है, लेकिन इससे उनका मनोबल नहीं टूटा है।

बुधवार सुबह गुप्ता के कैंप कार्यालय में 'जन सुनवाई' के दौरान उन पर हमला किया गया। हमले के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि जन सुनवाई कार्यक्रम पहले की तरह जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह जन सुनवाई के दौरान मेरे ऊपर हुआ हमला केवल मेरे ऊपर नहीं, बल्कि दिल्ली की सेवा और जनता की भलाई के हमारे संकल्प को डिगाने के लिए किया गया एक कायराना प्रयास है। उन्होंने कहा, स्वाभाविक है कि इस हमले के बाद मैं सदमे में थी, लेकिन अब बेहतर महसूस कर रही हूं। मैं अपने सभी शुभचिंतकों से निवेदन करती हूं कि कृपया मुझसे मिलने के लिए परेशान न हों। मैं बहुत जल्द ही आपके बीच काम करती हुई दिखाई दूंगी।

गुप्ता ने कहा, ऐसे हमले मेरे हौसले और जनता की सेवा के संकल्प को कभी तोड़ नहीं सकते। अब मैं पहले से कहीं अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ आपके बीच रहूंगी। जन सुनवाई और जनता की समस्याओं का समाधान पहले की तरह ही गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ जारी रहेगा।

शुल्क अनिश्चितताओं के बीच केंद्रीय बैंक को सतर्क रहने की जरूरत: मल्होत्रा ने एमपीसी बैठक में कहा

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि शुल्क को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी जारी हैं, इसलिए केंद्रीय बैंक को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने इस महीने के शुरू में मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर को यथावत रखने के पक्ष में मतदान करते हुए यह बात कही थी।

आरबीआई ने बुधवार को चार-छह अगस्त के दौरान हुई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक का ब्योरा जारी किया। केंद्रीय बैंक के गवर्नर के साथ एमपीसी के अन्य सभी पांच सदस्यों ने रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया था। मल्होत्रा ने कहा, कुल मिलाकर हमारी अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर की तस्वीर पेश करती है। भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति, विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियां और दूरदर्शी रणनीति देश को एक मजबूत स्थिति में रखती हैं।

लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक की प्रतियां फाड़ी गईं, कागज उछाले गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए जाने के दौरान हंगामे की स्थिति रही और विपक्षी सदस्यों ने विधेयकों की प्रतियां फाड़ी तथा कागज फाड़कर भी उछाले।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के कुछ सदस्यों को आमने-सामने आते हुए देखा गया और उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। तृणमूल कांग्रेस के कुछ सदस्यों को इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह की ओर बढ़ते देखा गया। दो बार के स्थगन के बाद सदन की बैठक दोपहर 2 बजे फिर शुरू हुई तो विपक्षी सदस्य पहले से ही खड़े होकर इन तीनों विधेयकों के खिलाफ नारे लगा रहे थे जिन्हें सरकार पेश करने जा रही थी। तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने विधेयक की प्रतियां फाड़ दीं और कागज़ के टुकड़े गृह मंत्री के सामने फेंके। इस दौरान गृह मंत्री विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव पेश कर रहे थे।

महाराष्ट्र में बारिश की स्थिति नियंत्रण में : फडणवीस

बांधों से पानी छोड़ने को लेकर अन्य राज्यों से समन्वय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि भारी बारिश से बेहाल मुंबई और राज्य के अन्य हिस्सों में स्थिति अब नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक राजधानी में एक दिन पहले हुई मूसलाधार बारिश से अब राहत मिली है।

फडणवीस ने कहा कि राज्य में भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवानों को तैनात करके आपदा प्रबंधन के संबंध में सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, बांधों से पानी छोड़े जाने का प्रबंधन किया जा रहा है। सरकार हमारे अनुरोध के अनुसार पानी छोड़े जाने के मद्देनजर पड़ोसी राज्यों से समन्वय कर रही है।

मुंबई और उपनगरीय क्षेत्र में मंगलवार को मूसलाधार बारिश की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। निचले इलाके जलमग्न होने की वजह से उपनगरीय रेल सेवाएं बाधित हो गई थीं। मुख्यमंत्री ने कहा, मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में बारिश की स्थिति कुल मिलाकर काफी हद तक नियंत्रण में है, हालांकि कुछ क्षेत्रों में अब भी भारी बारिश हो रही है।

जैन समुदाय को पर्यूषण पर्व संबंधी याचिका पर उच्च न्यायालय से नहीं मिली राहत

मुंबई/भाषा। मुंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को जैन समुदाय के सदस्यों को उनके पर्यूषण पर्व के दौरान शहर में 10 दिनों के लिए बूचड़खानों को बंद करने के अनुरोध पर कोई राहत देने से इनकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति संदीप मार्ने की पीठ ने कहा कि वह समुदाय की भावनाओं का सम्मान करती है, लेकिन सवाल यह है कि उसे (समुदाय को) बूचड़खानों को 10 दिनों तक बंद रखने की मांग करने का अधिकार कहां (किस वैधानिक प्रावधान) से मिलता है। याचिकाओं में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) आयुक्त श्रेरा 14 अगस्त को पारित आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बूचड़खानों को केवल दो दिनों के लिए बंद करने की अनुमति दी गई थी। आयुक्त ने तर्क दिया था कि शहर में जैन समुदाय की आबादी कम है।

देश सस्ता हाइड्रोजन बनाकर तेल उत्पादक देशों की बराबरी कर सकता है: नितिन गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि यदि देश में हाइड्रोजन बनाने की लागत को एक डॉलर प्रति किलोग्राम तक लाया जा सका, तो वह ऊर्जा आयातक से वैश्विक निर्यातक बन सकता है।

द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट में आयोजित 24वें दरबारी सेठ स्मृति व्याख्यान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में हाइड्रोजन की लागत लगभग पांच से छह डॉलर प्रति किलोग्राम है, जो पारंपरिक ईंधनों की तुलना में काफी महंगी है। गडकरी ने कहा, यदि हम इसे एक डॉलर प्रति किलोग्राम तक लाने में सफल हो जाते हैं, तो भारत मौजूदा तेल उत्पादक देशों के समान स्थिति में पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन, ऊर्जा के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। मंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी बाधा हाइड्रोजन 'फिलिंग स्टेशन' स्थापित करने और ईंधन के परिवहन के लिए प्रणालियां विकसित करने में है। उन्होंने कहा, इन क्षेत्रों में तत्काल और व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। ऊर्जा के लिए कचरे के उपयोग की संभावना के बारे में गडकरी ने कहा कि नगर निगम का ठोस कचरा ही फायदेमंद साबित हो सकता है। यदि हम कचरे को अलग करें, उसमें से जैविक पदार्थ निकालकर उसे 'बायोडाइजेस्टर्स' में डालें तो उससे मीथेन गैस बनती है।

हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण स्कूल और कॉलेज बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और ऊना, कुल्लू और मंडी जिलों के कुछ इलाकों में स्कूल और कॉलेज बंद करने पड़े हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ऊना के अंब और गगरेट अनुमंडलों में एहतियात के तौर पर शैक्षणिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं। कुल्लू के मनाली और बंजार व मंडी जिले के इलाकों में अचानक आई बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के बाद इसी तरह के आदेश जारी किए गए हैं। कुल्लू के शास्त्री नगर में नाले में अचानक आई बाढ़ से घरों और वाहनों को नुकसान पहुंचा, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, कुल्लू नगर परिषद के अध्यक्ष महंत गोपाल दास ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। सब डिवीजन मजिस्ट्रेट श्रेरा जारी एक बयान में कहा गया कि सोमवार रात बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ की वजह से मंडी जिले के सिलभुधानी गांव में एक पैदल पुल बह गया। बयान में कहा गया कि जिले के भुबू, कुंगरी और संबद्ध नदियों में भी हलचल देखी जा रही है, जिसके कारण छात्रों की सुरक्षा के लिए गांव के स्कूलों को बुधवार को बंद रखने का आदेश जारी किया गया। राज्य आपात परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने बताया कि बुधवार सुबह राज्य में तीन राष्ट्रीय राजमार्गों समेत कुल 362 सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गईं। इनमें मंडी जिले की 183 और निकटवर्ती कुल्लू जिले की 105 सड़कें शामिल हैं। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार शाम से राज्य के कई हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। ऊना के भरवाई में सबसे अधिक 68 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके बाद देहरा गोपीपुर में 63.4 मिमी, पालमपुर में 60.4 मिमी, गुलेर में 60 मिमी, सोलन में 56 मिमी, बिलासपुर में 50.8 मिमी और जुब्बड़हट्टी में 47.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

एलायंस एयर का विमान तकनीकी खामी के कारण बीच रास्ते से गुवाहाटी हवाई अड्डे पर लौटा

गुवाहाटी/भाषा। गुवाहाटी के गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कोलकाता के लिए रवाना हुई एलायंस एयर की उड़ान बुधवार को तकनीकी खामी से 'पूर्ण आपात'स्थिति में वापस लौट आई। हवाई अड्डे की प्रवक्ता ने बयान में कहा कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं, और उन्हें सहायता प्रदान की गई है। तकनीकी खराबी के कारण गुवाहाटी-कोलकाता उड़ान को वापस उतारने का फैसला किए जाने के बाद, 20 अगस्त को अपराह्न 1.42 बजे लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया।

कैबिनेट की विशेष बैठक में 6-6-5 आंतरिक आरक्षण देने का निर्णय लेने के बाद लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को बधाई दी।

संशोधनों के साथ अनुसूचित जातियों के आंतरिक आरक्षण पर रिपोर्ट स्वीकृत : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार ने मंत्रिमंडल की बैठक में अनुसूचित जातियों (एससी) के आंतरिक आरक्षण पर न्यायमूर्ति एच एन नागमोहन दास की सिफारिशों को कुछ संशोधनों के साथ स्वीकार कर लिया है। इनमें आयोग द्वारा लेफ्ट-हैंड कास्ट' (महादलित) के रूप में पहचाने गए समुदायों को छह प्रतिशत आंतरिक कोटा प्रदान करना भी शामिल है।

सिद्दरामय्या ने विधानसभा को बताया कि जैसे ही आंतरिक आरक्षण आदेश जारी होगा, भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और आयु सीमा में एक बार की छूट प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, 'हमने आंतरिक आरक्षण कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने का भी फैसला किया है।''

मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए निर्णयों पर विधानसभा में एक बयान पढ़ते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने इस बात पर गौर किया कि आयोग ने अनुसूचित जातियों में 'पराया', 'मोगेरा' और अन्य 'राइट-हैंड कास्ट' (दलित) को 'लेफ्ट-हैंड कास्ट' (महादलित) के साथ समूहीकृत किया है। उन्होंने कहा, ''हमने इन समुदायों को 'राइट-हैंड' समूह में वर्गीकृत करने और उन्हें छह प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने आदि कर्नाटक, आदि आंध्र और आदि द्रविड़ समूहों को छह प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है, जिनकी जनसंख्या 4,74,954 है। इसे 'लेफ्ट-हैंड और राइट-हैंड' समूहों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।

सिद्दरामय्या ने कहा कि आयोग ने पांच समूहों - ए, बी, सी, डी और ई में वर्गीकरण का प्रस्ताव दिया था। मुख्यमंत्री ने बताया कि मंत्रिमंडल ने इसे तीन समूहों - ए, बी और सी में पुनर्गठित करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत समूह ए (लेफ्ट-हैंड कास्ट) को छह प्रतिशत, समूह बी (राइट-हैंड कास्ट) को छह प्रतिशत और समूह सी को पांच प्रतिशत आंतरिक आरक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये परिवर्तन सभी 101 अनुसूचित जातियों के लिए शिक्षा, रोजगार और अन्य अवसरों तक पहुंच में समानता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने एक स्थायी अनुसूचित जाति आयोग गठित करने का निर्णय लिया है जो समय-समय पर अंतर-जातीय मुद्दे और उपलब्ध आंकड़ों का अध्ययन करेगा तथा समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

सिद्दरामय्या ने कहा कि सरकार अगली राष्ट्रीय जनगणना से उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर, यदि आवश्यक हुआ तो, इस निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने यह साबित किया है कि एक प्रगतिशील राज्य के रूप में कर्नाटक सामाजिक न्याय के मामले में भी अग्रणी है। सिद्दरामय्या ने विधानसभा को बताया कि न्यायमूर्ति नागमोहन दास के आयोग ने राज्य में 101 अनुसूचित जातियों का व्यापक अध्ययन किया और एक अगस्त को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। आयोग ने अनुसूचित जातियों के 1,05,09,871 व्यक्तियों के आंकड़े एकत्र किए, जो अनुसूचित जातियों की 93 प्रतिशत आबादी को कवर करते हैं। मंत्रिमंडल ने इस रिपोर्ट का गहन अध्ययन किया। विपक्षी दल भाजपा ने मंत्रिमंडल के फैसले पर चर्चा की मांग की, लेकिन सत्तारूढ़ कांग्रेस इसके लिए सहमत नहीं हुई। अध्यक्ष ने भी किसी चर्चा की अनुमति नहीं दी। इस फैसले से नाराज विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया।

राजीव गांधी ने देश को विकास का नया रास्ता दिखाया : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, 'आज विधान सौधा के सम्मेलन कक्ष में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी, जिन्हें आधुनिक भारत के निर्माता के रूप में याद किया जाता है, की जयंती के अवसर पर सद्भावना दिवस की शपथ दिलाई गई।''

मुख्यमंत्री ने कहा, 'राजीव गांधी ने विज्ञान, तार्किकता और समावेशी प्रगति की भावना पर आधारित एक राष्ट्र का सपना देखा था। उन्होंने भारत को एक सद्भावनापूर्ण देश के रूप में देखा, जहां हर धर्म और समुदाय शांति से एकसाथ रह सकें।'

सिद्दरामय्या ने कहा, 'देश को विकास का एक नया रास्ता दिखाकर उन्होंने एक ऐसा दृष्टिकोण छोड़ा, जो आज भी हमारा मार्गदर्शन करता है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'उनकी जयंती पर, आइए हम उस दृष्टिकोण के प्रति स्वयं को पुनः समर्पित करें और इस दिन को वास्तव में सार्थक बनाएं।' सिद्दरामय्या ने इससे पहले एक पोस्ट में कहा, 'राजीव गांधी की जयंती पर हम उन्हें याद करते हैं - एक ऐसे नेता जिन्होंने कंप्यूटर और कनेक्टिविटी की शुरुआत की, मतदान की आयु 18 वर्ष की, एक नई शिक्षा नीति बनाई, पंचायती राज के माध्यम से जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत किया और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़े पैमाने पर टीकाकरण शुरू किया था।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'उनकी विरासत हमें याद दिलाती है कि प्रगति दूरदर्शिता, साहस और समावेशिता पर आधारित होती है।'

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

कांग्रेस की योजनाओं से गरीबों की जेब भरी है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस सरकारों की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं के ज़रिए हम गरीबों की जेब में 1 लाख करोड़ डाल रहे हैं। बुधवार को क्वीन्स रोड स्थित केपीसीसी कार्यालय में आयोजित पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स की जयंती समारोह के अवसर पर, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो केपीसीसी अध्यक्ष भी हैं, ने दोनों दिग्गज नेताओं के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की और अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार को गारंटी योजना लागू किए दो साल हो गए हैं। आपको लोगों को इसकी याद दिलानी चाहिए। हमने इस योजना को लागू करके आपको एक हथियार दिया है। आपको इसका सही इस्तेमाल करना चाहिए। हमारी सरकार किसानों को मुफ्त बिजली के लिए 20,000 करोड़ रुपये, विभिन्न पेंशन योजनाओं के लिए 10,000 करोड़ रुपये, पंचायत गारंटी योजना के लिए 52,000 करोड़ रुपये और सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए 1 लाख करोड़ रुपये गरीबों की जेब में डाल रही है। क्या इस 1 लाख करोड़ रुपये में भाजपा या दल का कोई कार्यक्रम है? जब मैं विधायक था, जे.एच. पटेल के समय, पंचायतों को 1 लाख रुपये का अनुदान दिया जाता था। कृष्णा के समय में, हमने इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया। हमने पंचायतों में 27 विभाग शामिल किए। कांग्रेस पार्टी ने पंचायतों को यह अधिकार दिया है। उन्होंने कहा, जदएस की बात करें तो महान गौड़ा, उनके बच्चों और नाती-पोतों ने क्या-क्या कुर्बानियाँ दी हैं? भाजपा की बात करें तो स्वतंत्रता संग्राम में उनका क्या योगदान था? सत्ता में आने के बाद, क्या उन्होंने गरीबों को खाना खिलाया? क्या उन्होंने ज़मीन दी?

बंगारप्पा किसानों को मुफ़्त बिजली देने वाले पहले व्यक्ति थे और जब मैं मंत्री बना, तो मैंने बिजली छह घंटे से बढ़ाकर सात घंटे कर दी। पहले हम इसके लिए हर साल 800 करोड़ रुपये देते थे। अब हम 20 हज़ार करोड़ रुपये दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, आज युवाओं के लिए बहुत प्रेरणादायक दिन है। हाल ही में हमारे युवा नेता बी.वी. श्रीनिवास ने रन फॉर राजीव नामक एक मैराथन का आयोजन किया था। सुबह साढ़े पाँच बजे लगभग 15 हज़ार लोग इकट्ठा हुए थे। इसमें कई आम लोगों ने भी हिस्सा लिया। हमारे लोग आज भी राजीव गांधी के योगदान को याद करते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं छात्र था, तब मैं सामान्य छात्रावास में रहता था। उस समय हमारे गाँव में टेलीफोन कनेक्शन नहीं था। इसे प्राप्त करने में तीन-चार साल लग जाते थे। लेकिन आज हर किसी के पास दो-तीन फोन हैं। राजीव गांधी ही थे जिन्होंने इस देश में कंप्यूटर और टेलीफोन तकनीक की क्रांति लाई।

केपीसीसी कार्यालय में आयोजित पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स की जयंती समारोह के अवसर पर केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष मंजूनाथ भंडारी, विधान परिषद के मुख्य सचेतक सलीम अहमद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव मंसूर अली खान, उपाध्यक्ष श्रीनिवास, पूर्व एमएलसी नारायणस्वामी, कर्नाटक चलनाथ अकादमी के अध्यक्ष साधु कोकिला और अन्य नेता उपस्थित थे।

हमें चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट और गौरव वापस लाना होगा : वेंकटेश प्रसाद

बेंगलूरु। चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट की वापसी एक भव्य समारोह का मुख्य विषय रहा जहां पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने बुधवार को अपने पैनल का घोषणापत्र जारी करके आगामी कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) चुनावों में भाग लेने की दिशा में पहला ठोस कदम उठाया। चार जून को यहां हुई भगदड़ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के 11 प्रशंसकों की जान चली गई थी जिसके बाद इस प्रतिष्ठित स्टेडियम में कोई मैच नहीं हुआ है। अब यहां अगले महीने होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप के मुकाबलों पर भी खतरा मंडरा रहा है।

घोषणापत्र जारी करने के बाद प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''सच कहूं तो यह (भगदड़) कुछ ऐसा है जो नहीं होना चाहिए था। हमें (राज्य) सरकार के साथ संपर्क में बहुत सक्रिय होना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में जल्द से जल्द मैच खेले जाएं।'' प्रसाद ने संकेत दिया कि उनके उम्मीदवारों के पैनल में 16 सदस्य होंगे। हालांकि उन्होंने इस समय उनके नाम बताने से परहेज किया।

केएससीए के चुनाव अक्टूबर या नवंबर में हो सकते हैं क्योंकि रघुराम भट के नेतृत्व वाले मौजूदा पदाधिकारी 30 सितंबर को अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लेंगे। प्रसाद ने कहा, ''जहां तक स्टेडियम की बात है तो हमें इसकी खोई हुई गरिमा वापस लाने की जरूरत है।

त्योहारों पर दपरे अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियाँ चलाएगा

हुब्बल्ली। आगामी गणेश चतुर्थी, दशहरा, दीपावली और छठ त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने यशवंतपुर और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष रेलगाड़ियाँ चलाने का निर्णय लिया है। इन सेवाओं से नियमित ट्रेनों में भीड़भाड़ कम होगी और त्योहारों पर जाने वाले यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा विकल्प मिलेंगे।

यशवंतपुर-धनबाद-यशवंतपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल : ट्रेन संख्या 06563 यशवंतपुर-धनबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 23 अगस्त से 27 दिसंबर तक प्रत्येक शनिवार को यशवंतपुर से सुबह 07:30 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को सुबह 11:00 बजे धनबाद पहुँचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 06564 धनबाद-यशवंतपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 25 अगस्त से 29 दिसंबर तक प्रत्येक सोमवार को धनबाद से रात 20:45 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को रात 21:30 बजे यशवंतपुर पहुँचेगी। दोनों ट्रेनें प्रत्येक दिशा में 19 चक्कर लगाएँगी। रास्ते में ट्रेन येलहंका, धर्मावरम, अनंतपुर, गूटी, धोने, कुरनूल सिटी, महबूबनगर, काचीगुडा, काजीपेट, रामागुंडम, बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, सतना, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड पर रुकेगी। दोनों दिशाओं में पारसनाथ और नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमो स्टेशन। ट्रेन में 21 कोच होंगे, जिनमें 02 एसी 3-टियर, 13 स्लीपर क्लास, 04 जनरल सेकेंड क्लास और 02 एसएलआर/डी कोच होंगे।

एसएमवीटी बेंगलूरु-गोमती नगर-एसएमवीटी बेंगलूरु साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल : ट्रेन संख्या 06529 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु-गोमती नगर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 25 अगस्त से 3 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को चलेगी। यह ट्रेन एसएमवीटी बेंगलूरु से 19:00 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 11:30 बजे गोमती नगर पहुँचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 06530 गोमती नगर-एसएमवीटी बेंगलूरु साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 29 अगस्त, 2025 से 7 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। यह ट्रेन गोमती नगर से 12:20 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 08:15 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुँचेगी। दोनों ट्रेनें प्रत्येक दिशा में 12 चक्कर लगाएँगी।

रास्ते में, ट्रेन तुमकुरु, अरसीकेरे, कडुर, दावणगेरे, एसएमएम हावेरी, एसएसएस हुबल्ली, धारवाड़, बेलगावी, घाटप्रभा, मिराज, सांगली, कराड, सतारा, पुणे, दौंड कॉर्ड लाइन, मनमाड, भुसावल, खंडवा, रानी कमलापति, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, पोखरायण, गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी, पर रुकेगी। दोनों दिशाओं में औंरिहार, मऊ, बेल्थरा रोड, भटनी, देवरिया सदर, गोरखपुर, बस्ती और गोंडा स्टेशन। ट्रेन में 01 एसी फर्स्ट क्लास, 02 एसी 2-टियर, 04 एसी 3-टियर, 07 स्लीपर क्लास, 04 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 02 एसएलआर/डी कोच सहित 20 कोच होंगे।

उद्घाटन

बेंगलूरु में बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने देवराजू की 110वीं जयंती समारोह के तहत विधान सौधा के बैंक्वेट हॉल में आयोजित ऐतिहासिक तस्वीरों की एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री शिवराज एस. तंगड़ी, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, विधान परिषद में सरकार के मुख्य सचेतक सलीम अहमद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केआईओसीएल लि. को 'उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार' मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), बेंगलूरु की वर्ष 2025-26 के लिए पहली अर्द्धवार्षिक बैठक एवं प्रशस्ति वितरण समारोह का आयोजन मंगलवार को एचएएल के ओल्ड एचएएल प्रबंध अकादमी सम्मेलन कक्ष में हुआ। बैठक की अध्यक्षता नराकास (उपक्रम) अध्यक्ष डॉ. डीके सुनील ने की। मुख्य अतिथि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के उप निदेशक (कार्यान्वयन) अनिर्बान कुमार विश्वास ने सदस्य संगठनों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान, केआईओसीएल लिमिटेड के निगमित कार्यालय को उसके अनुकरणीय प्रयासों के लिए लघु कार्यालयों की श्रेणी में वर्ष 2024-25 के लिए 'उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

केआईओसीएल लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की ओर से यह पुरस्कार मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सी मुनिकृष्णा ने ग्रहण किया। इस प्रतिष्ठित सम्मान से केआईओसीएल के वरिष्ठ नेतृत्व और कर्मचारियों में उत्साह और गर्व की लहर दौड़ गई। इस उपलब्धि का जश्न मनाया गया और वरिष्ठ अधिकारियों ने राजभाषा विभाग और कार्यान्वयन प्रक्रिया में शामिल सभी कर्मचारियों को बधाई दी। इस बैठक एवं समारोह का संचालन एचएएल के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) संजय कुमार पांडेय ने किया।

कर्नाटक के कई हिस्सों में बाढ़ का खतरा बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के कई हिस्सों में बुधवार को भी भारी बारिश का सिलसिला जारी रहा, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचा, सड़क संपर्क बाधित हुआ और एहतियातन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा जबकि प्रमुख जलाशय पूरी क्षमता के करीब पहुंच गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक धारवाड़, गदग, दावणगेरे, हावेरी और उत्तर कन्नड़ में भारी बारिश का सिलसिला जारी है, जिससे घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा हैं। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर कुछ इलाकों में लोगों को राहत केंद्रों में ले जाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण कृष्णा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि नारायणपुर जलाशय से 1.60 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद, शीलहल्ली पुल डूब गया, जिससे सड़क संपर्क टूट गया जबकि नदी किनारे बसे गांवों पर अब 'बाढ़ का खतरा'मंडरा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि शीलहल्ली-हंचिनाल पुल के पानी में डूब जाने से कद्दारागड्डी, यारिगोडी और हंचिनाल सहित नदी किनारे के गांवों से सड़क संपर्क टूट गया है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को अब तालुका मुख्यालय पहुंचने के लिए जलदुर्ग होकर 45 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। इस बीच, सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिनमें लोग जलमग्न शीलहल्ली पुल पर बाइक धोते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि जिला प्रशासन ने 'हाई अलर्ट' जारी किया है और उफनती कृष्णा नदी में प्रवेश न करने का निर्देश दिया है, जो 'खतरे' के निशान से ऊपर बह रही है।

महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण कृष्णा और भीमा नदियों के तटवर्ती इलाकों पर भी 'बाढ़ का खतरा' मंडरा रहा है क्योंकि उनके बहाव के ऊपरी इलाकों में भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया है। अधिकारियों ने बताया कि भारी जलप्रवाह के कारण बसवसागर बांध के सभी 30 दरवातें खोल दिए गए हैं, जबकि यादगीर जिले में गुरुसांगी बैराज के 17 दरवाजें भी खोले गए हैं। बेलगावी में, मलप्रभा नदी जल ग्रहण श्रेत्र में भारी बारिश हुई। इस बीच, एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ है जिसमें एक बाइक सवार नदी पर बने बाढ़ग्रस्त पुल को पार करने की कोशिश कर रहा है। वह अपनी गाड़ी के साथ बहता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन बाल-बाल बच गया। बीदर जिले में प्रसिद्ध अनंत पद्मनाभ मंदिर के गर्भगृह में पानी घुस गया है। राज्य की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के विधायक शरणु सालगर ने विधानसभा में कहा कि इस साल भारी बारिश ने किसानों को तबाह कर दिया है। उन्होंने बताया कि तूर दाल (तोगरी), उड़द और सोयाबीन सहित 1.21 लाख हेक्टेयर में लगी फसलें नष्ट हो गई हैं और कई मवेशियों की मौत भी हुई है। सालगर ने कहा, बेंगलूरु में सड़क पर गड्ढे बड़ी सुर्खिया बनती हैं, लेकिन फसल नुकसान से जूझ रहे किसानों की दुर्दशा नहीं। कृपया बीदर के बसवकल्याण जाकर उनकी पीड़ा देखें। किसानों को कम से कम 25,000 रुपये की राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने बीमा प्रीमियम का भुगतान किया है, लेकिन उन्हें मुआवजा नहीं मिल रहा है। फसल नुकसान का आकलन करने और उसके अनुसार राहत प्रदान करने के लिए एक समिति बनाई जानी चाहिए।'' इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले सात दिनों में कर्नाटक में व्यापक वर्षा का अनुमान जताया है। आईएमडी ने बुधवार को उडुप्पी और उत्तर कन्नड़ जिलों में एक या दो स्थानों पर मूसलाधार वर्षा का पूर्वानुमान जताया है, जबकि दक्षिण कन्नड़ के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना जताई। उत्तरी आंतरिक क्षेत्र में, बेलगावी में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के साथ भारी वर्षा हो सकती है, जबकि बागलकोट, बीदर, कलबुर्गी, विजयपुरा, यादगीर और धारवाड़ में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, मैसूरु, शिवमोगा, तुमकुरु, चिक्कमगलुरु, कोडागु, हसन और मांड्या सहित दक्षिणी जिलों में भी यही स्थिति रहने का अनुमान है।

सीपी राधाकृष्णन ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के आवास का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। एनडीए गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के दिल्ली स्थित आवास का दौरा किया। पूर्व प्रधानमंत्री के आवास पर पहुँचने पर, केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने राधाकृष्णन का सम्मानपूर्वक स्वागत किया। अपने और प्रधानमंत्री के बीच के संबंधों को याद करते हुए, राधाकृष्णन ने एनडीए गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में उनका समर्थन करने के लिए उम्मीदवार का धन्यवाद किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, सांसद मल्लेश बाबू और डॉ. सीएन मंजूनाथ, जेडीएस पार्टी के वरिष्ठ नेता वेंकटराव नादगौड़ा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और अन्य उपस्थित थे।

भजनलाल की खट्टर से राजस्थान में ग्रीन एनर्जी कोरिडोर के प्रस्तावों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को केंद्रीय बिजली, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की और इस दौरान राजस्थान में ऊर्जा और आवासन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। शर्मा ने नई दिल्ली में खट्टर से मुलाकात की और उनसे आग्रह किया कि राजस्थान ने नवीकरणीय ऊर्जा निकासी की योजना बनाई है। इस योजना में शामिल परियोजनाओं को ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर- थर्ड में शामिल कर केंद्र की तरफ से अधिकतम अनुदान शीघ्र स्वीकृत किया जाए।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश के महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं इन प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं से ऊर्जा की निकासी हेतु सुदृढ़ पारेषण तंत्र की आवश्यकता है जिसके लिए अधिकतम केंद्रीय सहयोग आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान आग्रह किया कि जयपुर मेट्रो रेल द्वितीय चरण का संयुक्त उपक्रम (50:50) के तहत निर्माण की विस्तृत कार्य योजना को जल्द स्वीकृति प्रदान की जाए।

उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण प्रस्तावित परियोजना के लिए केंद्रीय अंशदान की स्वीकृति से जयपुर वासियों के लिए एक सुदृढ़, सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन की सुविधा प्रदान करने के लक्ष्य को जल्द हासिल किया जा सकेगा। शर्मा ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान 15वें वित्त आयोग के तहत राजस्थान के नॉन मिलियन प्लस शहरों के नगरीय निकायों को दिए जाने वाले केंद्रीय सहयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन नगरीय निकायों को प्रदान किए जाने वाले वित्तीय सहयोग से गतिमान विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा एशियन डेवलपमेंट बैंक एवं वर्ल्ड बैंक के संयुक्त वित्त पोषण के माध्यम से संचालित आरयूआईडीपी पांचवें चरण की परियोजना तैयार कर भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुत की है जिस पर केंद्रीय मंत्रालय का सकारात्मक सहयोग आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस योजना के माध्यम से जलापूर्ति, अपशिष्ट जल प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शहरी यातायात सुधार, बाढ़ प्रबंधन और विरासत संरक्षण सहित प्रदेश के शहरों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि इस परियोजना की शीघ्र स्वीकृति से राज्य के चहुंमुखी विकास में गति आएगी तथा प्रदेश की जनता लाभान्वित होगी। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं जिनके सकारात्मक दोहन और प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए केंद्रीय सहयोग आवश्यक है। इस पर केंद्रीय मंत्री द्वारा राजस्थान को हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया।

मुख्यमंत्री की केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं को गति प्रदान करने और राज्य के सर्वांगीण विकास के संबंध में हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रदेश के सांसदों से मुलाकात कर उनसे केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं को गति प्रदान करने और राज्य के सर्वांगीण विकास के संबंध में विस्तृत चर्चा की। बीकानेर हाउस में आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सांसदों से राज्यहित के मुद्दों पर संसद में तत्परता से चर्चा करने तथा विभिन्न मंत्रालयों में प्रदेश की स्वीकृतियों और फंडिंग के विषयों पर कार्य करने के लिए आग्रह किया। शर्मा ने पीएम सड़क योजना आदि को तेजी से लागू करने के लिए सांसदों का सहयोग भी मांगा। साथ ही, प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश का वातावरण बनाने के लिए केन्द्र सरकार के साथ ज्यादा तत्परता के साथ कार्य करने के लिए अनुरोध किया।

बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भूपेन्द्र यादव, भागीरथ चौधरी, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, चुन्नीलाल गरासिया, घनश्याम तिवाड़ी, राजेन्द्र गहलोत, लोकसभा सांसद दामोदर अग्रवाल, सी.पी.जोशी, दुष्यंत सिंह, लुंबाराम चौधरी, श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़, श्रीमती मंजू शर्मा, मन्नालाल रावत, पी.पी.चौधरी, राव राजेन्द्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

महिला सुरक्षा सात दिन का नहीं बल्कि जीवनभर का संकल्प : पुलिस महानिदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने बुधवार को कहा कि महिला सुरक्षा सात दिन का नहीं बल्कि जीवनभर का संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में महिला सुरक्षा सबसे ऊपर है। शर्मा ने महिला सुरक्षा को लेकर जयपुर पुलिस के अभियान 'सशक्त नारी, जिम्मेदारी हमारी' का यहां उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि महिला सुरक्षा सिर्फ सात दिन का नहीं, बल्कि हमेशा का ही संकल्प है। पुलिस महानिदेशक ने महिलाओं को शक्ति, सहनशीलता और साहस का प्रतीक बताया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल सामूहिक प्रयासों और महिला शक्ति के साथ-साथ नौजवानों, आमजन एवं समुदाय के सहयोग से ही वास्तविक बदलाव संभव है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, पुलिस महानिदेशक ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में महिला सुरक्षा सबसे ऊपर है और 'कालिका पेट्रोलिंग', 'एंटी-रोमियो' और निर्भया स्क्वाड जैसी योजनाओं ने सराहनीय काम किया है।

उन्होंने जयपुर को देश का दूसरा सबसे सुरक्षित शहर बताते हुए, इसे विश्व का सबसे सुरक्षित शहर बनाने का लक्ष्य रखा। पुलिस महानिदेशक ने पुरुषों से भी इस बदलाव का हिस्सा बनने का आह्वान किया और कहा कि असली ताकत महिलाओं को सम्मान देने से आती है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि पुलिस जनता से मिलने वाले 'फीडबैक' और शिकायतों पर गंभीरता से काम करेगी ताकि जयपुर एक मिसाल बन सके।

जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस पहल का मकसद केवल कानूनी कार्रवाई तक सीमित नहीं बल्कि यह एक सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जोसफ ने कहा कि राजस्थान पुलिस जयपुर शहर में कानून व्यवस्था कायम व अपराध नियंत्रण करने के लिए हमेशा प्रयासरत है और वर्ष 2024, 2025 में अपराधों में काफी गिरावट हुई है। उन्होंने बताया कि बालिका एवं महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में 'सशक्त नारी जिम्मेदारी हमारी' अभियान चलाया जा रहा है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक लता मनोज कुमार ने बताया कि महिला सुरक्षा के प्रति राजस्थान पुलिस द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे है और इन प्रयासों से हम सबकी भागीदारी से जयपुर शहर देश में द्वितीय नम्बर पर सबसे सुरक्षित शहर है। पुलिस अधीक्षक (जयपुर ग्रामीण) राशि डोगरा ने बताया, सशक्त नारी जिम्मेदारी हमारी' अभियान के तहत कई नई और महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की गई हैं जो महिलाओं की सुरक्षा को हर स्तर पर सुनिश्चित करेंगी।

साधु-संतों के सहयोग से बदल सकती है समाज की तस्वीर : मकवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने कहा कि अपराधों में कमी लाने और समाज में समरसता लाने के लिए सामाजिक सहयोग ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक कार्य करने वाली संस्थाओं, साधु-संतों और सामाजिक रूप से प्रभावशाली लोगों के सहयोग से बढ़ते अपराधों में कमी लाई जा सकती है। मकवाना ने बुधवार को शासन सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के दूसरे दिन यह बात कही। इस दौरान सदस्यगण वड्डेपल्ली रामचंदर एवं लवकुश कुमार साथ रहे। आयोग ने अनुसूचित जाति वर्ग के एट्रोसिटी एक्ट (अत्याचार निवारण नियम) के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में पिछले डेढ़ वर्ष में अनुसूचित जाति वर्ग के अपराधों में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा अपराध मुक्त राजस्थान बनाना है। हालांकि अभी और सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आयोग से प्राप्त सुझावों पर अमल कर आमजन के विश्वास को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

आयोग की पुलिस महानिदेशक श्रीमती सनमीत कौर ने पुलिस अधिकारियों से अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़े दर्ज अपराध, चालान, चार्जशीट, प्रकरण निस्तारण, वर्ग को दी जाने वाली सहायता राशि आदि के बारे में पुलिस अधिकारियों से जानकारी ली और सुधारात्मक सुझाव भी दिए। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने आयोग को बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के केसेज में लगातार कमी आ रही है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में पुलिस दर्ज होने वाले केसों का सूक्ष्म रूप से विश्लेषण करेगी, गंभीर प्रकरणों को केस ऑफिसर स्कीम में शामिल करेगी और घोड़ी पर न चढ़ने जैसी कुरीतियों तथा उनकी मानसिकता में परिवर्तन लाने के लिए जागरूकता लाने के प्रयास करेगी। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के लिए तुरंत राहत और शिकायत दर्ज करवाने के लिए 18001806025 हेल्पलाइन भी 24 घंटे प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (मानवाधिकार) श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने पुलिस द्वारा किए गए कार्यों को पीपीटी प्रस्तुतीकरण के जरिए बताया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 के मुकाबले 2024-25 में हत्या, बलात्कार व अन्य अपराधों के आंकड़ों में कमी आई है। उन्होंने बताया कि एट्रोसिटी के मामले जहां 2023 में 8212 दर्ज हुए थे वहीं 2024 में इनकी संख्या 7007 रह गई। 2025 में अभी तक 3651 मामले दर्ज हुए हैं। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर एस सावंत, सचिव (आयोग) जी. श्रीनिवास, संयुक्त सचिव एच. काम सुआनथांग, निदेशक कौशल कुमार, सामाजिक न्याय निदेशक आशीष मोदी सहित गृह, पुलिस, मानवाधिकार, अभियोजन, कारागार, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सहित संबंधित विभागों के उच्च स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष किशोर मकवाना, सदस्यगण वड्डेपल्ली रामचंदर एवं लवकुश कुमार ने जामडोली कैंपस स्थित अनुसूचित जाति वर्ग की बालिकाओं के लिए संचालित छात्रावासों का निरीक्षण किया। आयोग के सदस्यों ने कैंपस में वृक्षारोपण किया और बालिकाओं के साथ मेस में भोजन करते हुए अनौपचारिक रूप से संवाद भी किया। बालिकाओं में आयोग से आए अतिथियों को लेकर खासा उत्साह देखा गया। आयोग को विदा करते समय बालिकाएं 'थैंक यू सर' कहकर आभार जताती नजर आईं।

निकाय चुनाव टालकर संवैधानिक प्रावधानों पर प्रहार कर रही भाजपा सरकार : गोविंद सिंह डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्थानीय निकाय चुनाव नहीं कराए जाने को लेकर बुधवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और इसे 'संवैधानिक प्रावधानों' पर प्रहार करार दिया। डोटासरा, राजस्थान कांग्रेस के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन द्वारा आयोजित स्वराज बचाओ रैली को संबोधित कर रहे थे।

संगठन की प्रमुख मांगों में पंचायत व निकाय चुनावों की तत्काल बहाली, मनमाने परिसीमन का विरोध और दो बच्चों का नियम समाप्त करना शामिल है। डोटासरा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार पंचायत और नगर निकाय चुनाव टालकर संवैधानिक प्रावधानों पर प्रहार एवं न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में करीब एक साल से चुनाव नहीं हुए हैं जबकि 11 हजार ग्राम पंचायतों और 125 नगर निकायों का कार्यकाल पूरा हो चुका है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा 'एक राज्य, एक चुनाव' के नाम पर लोगों को भटका रही है, ये लोग सत्ता के दुरुपयोग से स्थानीय सरकारों को पंगु बनाकर तानाशाही

राज करना चाहती है। इससे पहले, डोटासरा ने मीडिया से बातचीत में भी सरकार को लेकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, राज्य में सरकार 'पर्ची' से गठित हुई और अब यह सरकार भी हर निर्णय लेने के लिये केन्द्र से पर्ची आने का इंतजार करती है और स्वविवेक से जनकल्याण के लिए कोई भी निर्णय सरकार द्वारा नहीं किया जाता है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि राजस्थान में भाजपा सरकार समय पर पंचायती राज चुनाव कराने में विफल रही है और युवाओं की आवाज दबाने के लिए छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को केंद्र से पर्याप्त धनराशि नहीं मिल रही, मनरेगा मजदूरों को समय पर भुगतान नहीं हो रहा और जनहित के अनेक मुद्दों की लगातार अनदेखी हो रही है। जूली ने कहा कि संविधान से मिली शक्तियों का भाजपा सरकार खुलेआम दुरुपयोग कर रही है।

राज्य सरकार दे रही हर वर्ग को आधुनिक आवास का अवसर : झावर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल की बहुप्रतीक्षित आवासीय योजनाओं का बुधवार को आवास भवन जयपुर में भव्य शुभारम्भ किया गया। नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इन योजनाओं की शुरुआत करते हुए कहा कि यह केवल निर्माण नहीं, बल्कि प्रदेशवासियों को सुरक्षित और सुविधायुक्त जीवन की ओर ले जाने वाला कदम है। खर्रा ने बताया कि इन 5 विशिष्ट पंजीकरण योजनाओं के तहत कुल 667 आवास/फ्लैटस बनाए जाएंगे, जो उदयपुर, बारां, बूंदी, धौलपुर और बाड़मेर जैसे जिलों में आमजन को एक बेहतर आवासीय विकल्प देंगे।

इस अवसर पर मंत्री खर्रा ने कहा कि राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वर्ग को आवास उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा की राज्य सरकार सिर्फ मकान नहीं दे रही, बल्कि एक सम्मानजनक जीवन का माध्यम दे रही है। उन्होंने बताया कि सभी योजनाएं समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से विकसित की जाएंगी, ताकि लाभार्थियों को आधुनिक जीवन की समस्त सुविधाएं मिल सकें। इस कार्यक्रम में खाद्य एवं नागरिक

आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने भी शिरकत की गोदारा ने कहा की राजस्थान आवासन मण्डल आमजन के आवास के सपने को साकार करने के लिए आज भी पहली पसंद है। उन्होंने मण्डल की योजनाओं की मुक्त कंठ से सराहना की । उल्लेखनीय है कि मई माह में ही मण्डल ने 427 आवासों की 5 आवासीय योजना जयपुर, बारां, बूंदी और धौलपुर में शुरू की थी। शुभारम्भ समारोह में आवासन मण्डल के अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि, आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, सचिव डॉ. अनिल पालीवाल, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, टीएस मीना, प्रतीक श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि, आम नागरिक व मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे आमजन के आवास के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम बताया।

पटवारी 95 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर तहसील के पटवार हल्का-6 वी धनूर के राजस्व पटवारी पंखीलाल मीणा को एक मामले में 95 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि परिवादी ने एसीबी चौकी श्रीगंगानगर-प्रथम को शिकायत की कि उसके स्वंय एवं पत्नी के नाम की कृषि भूमि पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2024 में मूंग की फसल के कराये गये फसल बीमा का फसल खराब होने पर दोनों के खातों में क्लेम राशि करीब 2.28 लाख रूपये जमा हुये है। इस फसल खराबे की कॉप कटिंग हल्का पटवारी पंखीलाल मीणा ने की थी, जब क्लेम राशि खाते में जमा होने की जानकारी मिलने पर पटवारी उससे बीमा क्लेम उसकी मदद करने पर मिलने की बात करके जमा क्लेम की राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा खर्चे पानी के रुप में देने की मांग की जा रही है। इस पर ब्यूरो टीम ने ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी पटवारी को परिवादी से प्राप्त फसल बीमा क्लेम की राशि 2.28 लाख रूपये में से 95 हजार रुपए बतौर रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

दिल्ली से बीकानेर के बीच नयी वंदेभारत के परिचालन को मिली स्वीकृति

बीकानेर। केंद्रीय कानून मंत्री एवं बीकानेर सीट के सांसद अर्जुनराम मेघवाल के प्रयास से दिल्ली से बीकानेर के मध्य नयी वंदेभारत रेलगाड़ी के परिचालन को स्वीकृत मिल गयी है। बीकानेर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मेघवाल को पत्र के जरिए इसकी सूचना दी है। इस पर मेघवाल ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' के स्वप्नद्रष्टा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास-यात्रा सतत जारी है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा को और गति देते हुए वैष्णव ने बीकानेर वासियों की सुविधा के लिए वंदेभारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को स्वीकृति दी है। इस वंदेभारत ट्रेन से हर वर्ग के व्यक्ति को कम समय में एक सुविधाजनक यात्रा मिलेगी। मेघवाल ने इस अवसर पर सभी बीकानेर वासियों को बधाई दी। भाजपा नेताओं ने इसके लिए मेघवाल और वैष्णव का आभार जताया है।

जयपुर में दो विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में दो विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों विद्यालयों के भवनों की तलाशी ली हालांकि कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि इन स्कूल के परिसर की गहनता से जांच की गई लेकिन कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस के मुताबिक, इन विद्यालयों को मंगलवार रात धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे और बुधवार सुबह स्कूल के कर्मचारियों ने इन्हें देखने के बाद पुलिस को सूचित किया। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस, बम निरोधक दस्ता, आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और ध्वान दस्ता की टीमें इन विद्यालयों के परिसर में पहुंची और गहन तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर सभी छात्रों को घर वापस भेज दिया गया और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बूंदी में सड़क दुर्घटना में दंपति समेत 4 मजदूरों की मौत

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर बुधवार को एक अज्ञात ट्रक के पीछे से एक वैन टकरा गई। इस हादसे में एक दंपति समेत चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई तथा एक नाबालिग सहित पांच अन्य घायल गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। डाबी थानाध्यक्ष हेमराज शर्मा ने बताया कि यह घटना बुधवार सुबह करीब साढ़े चार बजे डाबी थाना क्षेत्र के सुताड़ा गांव के पास हुई, जब राजस्थान के बारां और मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले से मजदूरों को लेकर कांकरोली एवं नाथद्वारा जा रही वैन ट्रक से टकरा गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और घायलों को डाबी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से उन्हें कोटा के न्यू मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतकों की पहचान संतोष, उसकी पत्नी संगीता, अनिल और देवराज के रूप में हुई है जबकि घायलों में हेमराज, अनिल की पत्नी मीनाक्षी और सौरभ शामिल हैं। शर्मा ने बताया कि नाबालिग समेत दो अन्य की पहचान अभी नहीं हो पाई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घायलों का कोटा स्थित न्यू मेडिकल कॉलेज हास्पिटल (एनएमसीएच) में इलाज चल रहा है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जयपुर में दो सगे भाइयों के शव कार में मिले

जयपुर। जयपुर में दो बच्चों के शव मंगलवार देर रात घर के बाहर खड़ी एक कार में पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नाबालिग सगे भाई थे। पुलिस ने बताया कि घटना गलतागेट थाना क्षेत्र की है, जहां शहजाद के बेटे अनस (आठ) और अहसान (पांच) मंगलवार शाम को घर के पास खेलते समय लापता हो गए। जब वे देर तक नहीं लौटे, तो परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की। बाद में दोनों लड़के घर के पास खड़ी एक गाड़ी में बेहोश पाए गए। उन्हें एसएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि मौत का कारण गाड़ी के अंदर दम घुटना हो सकता है, जबकि परिवार के सदस्यों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने कहा, ''पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद सही कारण की पुष्टि होगी।'' जिस कार में दोनों शव मिले वह उसी इलाके के एक निवासी की है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कई लोगों से पूछताछ की है।

स्मार्ट मीटर के विरोध में बंद रहा झुंझुनू जिला

झुंझुनू। राजस्थान में लगाये जा रहे स्मार्ट मीटर का विरोध बढ़ता जा रहा है, इसी के कारण स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में बुधवार को झुंझुनू जिला बंद रहा। सुबह से ही झुंझुनू रोडवेज बस स्टैंड, मंडावा मोड़, गांधी चौक, रेलवे स्टेशन समेत शहर और कस्बों की दुकानें बंद रहीं। संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह व्यापारियों से समर्थन मांगा, जिस पर व्यापारियों ने भी एकजुटता दिखायी। स्मार्ट मीटर हटाओ संघर्ष समिति ने बंद का आह्वान किया था।

इसके तहत झुंझुनू जिला मुख्यालय के साथ ही चिड़ावा, खेतड़ी, पिलानी, नवलगढ़, गुढ़ा, उदयपुरवाटी में भी सुबह से बाजार से लेकर स्कूल तक पूरी तरह से बंद हैं। बंद के तहत झुंझुनू न्यायालय में भी बार यूनियन ने कार्य बहिष्कार किया। वकीलों ने अदालत परिसर में नारेबाजी करके स्मार्ट मीटर विरोधी आंदोलन का समर्थन किया। संघर्ष समिति से जुड़े लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर किसानों के लिए अतिरिक्त बोझ साबित हो रहे हैं।

बिजली कटौती की समस्या पहले से है, अब प्रीपेड और महंगे बिल ने हालात और खराब कर दिये हैं। समिति के सदस्य एवं जिला परिषद सदस्य पंकज धनकड़ ने कहा कि सरकार स्मार्ट मीटर योजना को वापस नहीं लेती है, तो आने वाले पंचायत चुनाव और नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का कड़ा विरोध किया जायेगा। समिति ने चेतावनी दी कि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन और उग्र रूप लेगा।

संविधान संशोधन विधेयकों के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन दिखाता है कि वे भ्रष्टाचार के साथ : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि गंभीर आरोपों में 30 दिन तक गिरफ्तार रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने संबंधी तीन विधेयकों के खिलाफ लोकसभा में विपक्षी सदस्यों का विरोध दर्शाता है कि वे भ्रष्टाचार और भ्रष्ट लोगों के साथ खड़े हैं।

भाजपा सांसदों ने सदन में विरोध के दौरान गृह मंत्री अमित शाह पर कागज फाड़कर फेंकने के लिए विपक्षी सदस्यों की भी आलोचना की और इसे शर्मनाक और अलोकतांत्रिक करार दिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए।

विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि तीनों विधेयकों का विरोध करने वाले लोग अराजकता लाना चाहते हैं और दिखाना चाहते हैं कि वे कानून से ऊपर हैं। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, आज की परिस्थितियों में यह कानून बहुत आवश्यक है। प्रधान ने कहा कि हाल के दिनों में कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं जब कुछ लोग जेल से सरकार और अपने मंत्रालय चलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल में देखा कि कुछ राज्यों में संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों ने गिरफ्तार होने के बाद भी इस्तीफा नहीं दिया। उन्होंने पूछा, क्या हमारा संविधान यही कहता है?

प्रधान ने मांग की, उन्हें (विपक्ष को) यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे इस बात का समर्थन करते हैं कि किसी को भी इस्तीफा नहीं देना चाहिए, भले ही वे सलाखों के पीछे हों। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तीनों विधेयक पारदर्शिता बढ़ाने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि यह परंपरा रही है कि सरकार का कोई भी सदस्य गिरफ्तार होने के बाद इस्तीफा दे देता है। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिस तरह से विपक्षी सदस्यों ने सदन में विरोध प्रदर्शन किया, उससे पता चलता है कि वे भ्रष्टाचार और भ्रष्ट लोगों के साथ खड़े हैं, और वे भ्रष्ट लोगों को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, सवाल यह उठता है कि विपक्ष किसके खिलाफ विरोध कर रहा है। क्या यह नैतिकता है या भ्रष्टाचार? ठाकुर ने कहा, लड़ाई स्पष्ट है। विपक्ष भ्रष्टाचार और भ्रष्ट लोगों के साथ खड़ा है। भाजपा-राजग राजनीति को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना चाहता है। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने विधेयक का समर्थन किया और कहा कि यह भ्रष्टाचार के खिलाफ है।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि उनकी पार्टी भी विधेयकों की मंशा का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि इसे संसद की संयुक्त समिति को भेजने का कदम स्वागत योग्य है।

ठाकुर ने लोकसभा में विपक्ष के विरोध को तुच्छ करार दिया और कहा कि उन्होंने सदन में अपने आचरण से देश के लोकतंत्र को शर्मसार किया है। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, विपक्षी सदस्य अपनी सीटों से विरोध कर सकते थे... लेकिन वे सत्ता पक्ष के पास, गृह मंत्री के पास आ गए। उन्होंने हंगामा किया, देश के गृह मंत्री के पास कागज के टुकड़े फाड़े। उन्होंने पूछा, क्या यह विरोध करने का सही तरीका है? भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने विपक्ष के विरोध को अलोकतांत्रिक करार दिया और कहा कि यह देश के लोकतंत्र पर हमला है। पाल ने बताया कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रदर्शनकारी सदस्य आसन के समीप आ गए और गृह मंत्री के करीब आ गए।

उपराष्ट्रपति चुनाव : राजग के उम्मीदवार राधाकृष्णन ने नामांकन पत्र दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी. पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

नामांकन पत्र दाखिल करने गए राधाकृष्णन के साथ राजग के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा महासचिव पी. सी. मोदी को नामांकन पत्रों के चार सेट सौंपे, जो उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी हैं।

नामांकन पत्रों के चार सेट में मोदी, सिंह, शाह और जनता दल (यूनाइटेड) नेता राजीव रंजन सिंह मुख्य प्रस्तावक हैं।

उपराष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार के नामांकन पत्र पर कम से कम 20 निर्वाचकों श्रेरा प्रस्तावक और कम से कम 20 अन्य निर्वाचकों श्रेरा अनुमोदक के रूप में हस्ताक्षर करना आवश्यक होता है। राजग ने दाखिल किए गए नामांकन पत्रों के चार सेट में प्रस्तावक और अनुमोदक के रूप में अपने सभी घटकों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है।

निर्वाचन अधिकारी ने नामांकन पत्रों की जांच की जिसके बाद राधाकृष्णन ने एक रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी ने प्रधानमंत्री को नामांकन पत्रों की पावती पर्ची सौंपी। मोदी, शाह, वरिष्ठ मंत्री प्रह्लाद जोशी, धर्मेंद्र प्रधान और राजग के अन्य नेताओं में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नेता और केंद्रीय मंत्री के. राम मोहन नायडू, शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) नेता चिराग पासवान शामिल थे। सभी नेताओं के साथ राधाकृष्णन संसद भवन स्थित निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय तक गए। इससे पहले, राधाकृष्णन ने संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर महात्मा गांधी और अन्य राष्ट्रीय नेताओं को श्रेद्धांजलि दी। प्रेरणा स्थल में प्रतिष्ठित हस्तियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं। उन्होंने सबसे पहले महात्मा गांधी की विशाल प्रतिमा के समक्ष नमन किया और फिर अन्य प्रसिद्ध हस्तियों को श्रेद्धांजलि दी।

उपराष्ट्रपति के चुनाव में संसद में संख्याबल के हिसाब से राधाकृष्णन का चुना जाना निश्चित माना जा रहा है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी दलों का संयुक्त उम्मीदवार बनाया है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी वोट डालने के पात्र होते हैं।

निर्वाचक मंडल की प्रभावी संख्या 781 है और बहुमत का आंकड़ा 391 है। सत्तारूढ़ राजग को कम से कम 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है और युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) जैसी पार्टियां पहले ही राधाकृष्णन को समर्थन देने की घोषणा कर चुकी हैं। वाईएसआरसीपी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन (67) अपने शुभचिंतकों के बीच ''पचाई तमीजान'' (सच्चे तमिल) के रूप में मशहूर हैं। राधाकृष्णन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक वरिष्ठ नेता हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान कोयंबटूर से दो बार लोकसभा सदस्य के रूप में कार्य किया और बाद में तमिलनाडु में पार्टी का नेतृत्व किया।

राजग, उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार राधाकृष्णन को एक बेदाग नेता के रूप में पेश कर रहा है, जिनके पास राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव है। राजग का कहना है कि वह राज्यसभा के सभापति के रूप में उपयुक्त व्यक्ति साबित होंगे। राधाकृष्णन 2016 से 2020 तक अखिल भारतीय कोयर बोर्ड के अध्यक्ष रहे। यह वो अवधि थी जब कोयर निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

कोयर बोर्ड, भारत सरकार श्रेरा स्थापित एक वैधानिक निकाय है जिसका मुख्य उद्देश्य कोयर (नारियल के रेशे) उद्योग को बढ़ावा देना और विकसित करना है।

भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने राधाकृष्णन को एक ऐसा ''राजनेता'' बताया, जिनका सभी दलों में सम्मान है। वह तमिलनाडु में प्रभावशाली गौंडर जाति से आते हैं, जो एक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय है।

असम में पांच करोड़ रु. से अधिक मूल्य की याबा गोलियां जब्त, दो लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य के श्रीभूमि जिले में पांच करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिबंधित याबा गोलियां जब्त की गईं और इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने पोस्ट किया कि गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस श्रेरा पुवामारा बायपास पर मादक पदार्थ निरोधक अभियान चलाया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस ने 29,400 याबा गोलियां बरामद कीं और मादक पदार्थ के दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। इस सिलसिले में आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई हैं। याबा टैबलेट भारत में प्रतिबंधित है क्योंकि इसमें मेथामफेटामीन और कैफीन होती है।

उत्तर प्रदेश: जलालाबाद का नाम बदलकर परशुराम पुरी किया गया

शाहजहांपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी कर दिया गया।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम की जन्म स्थली जलालाबाद मानी जाती है और इसी आधार पर वर्षों से ग्रामीण व स्थानीय संगठन कस्बे का नाम बदलने की मांग कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने बुधवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में जलालाबाद का नाम परिवर्तित कर 'परशुरामपुरी' करने की अनुमति देने पर गृह मंत्री अमित शाह का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार! उन्होंने कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से आभार, वंदन एवं अभिनंदन! आपके मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आए इस निर्णय ने सम्पूर्ण सनातनी समाज को गर्व का क्षण प्रदान किया है। प्रसाद ने कहा, भगवान परशुराम जी के चरणों में कोटि-कोटि नमन! आपकी कृपा मात्र से ही इस पुनीत कार्य में निमित्त बन सका। आपकी कृपा दृष्टि संपूर्ण जगत पर बनी रहे। जलालाबाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हरिप्रकाश वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि जन भावनाओं का सम्मान करते हुए केंद्र सरकार ने मुख्य सचिव को प्रेषित पत्र में जलालाबाद कस्बे का नाम बदलकर परशुराम पुरी कर दिया है। उन्होंने कहा, यहां के लोग लंबे समय से गुलामी के प्रतीक नाम को हटाकर कस्बे का नाम परशुराम पुरी रखने की मांग कर रहे थे। केंद्र सरकार ने जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह निर्णय लिया है। इसमें केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद की अहम भूमिका रही है।

पत्नी ने रोटी बनाने को लेकर हुए विवाद में पति पर चाकू से किया हमला

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में पत्नी ने रोटी बनाने को लेकर हुए विवाद में पति पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को मऊ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रसड़ा क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक आलोक गुप्ता ने बताया कि महावीर अखाड़ा मोहल्ले में मंगलवार रात संजय कुमार (28) पर उसकी पत्नी लालबुची देवी ने चाकू से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद ग्रामीणों ने संजय को रसड़ा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए उसे मऊ के सरकारी अस्पताल स्थानांतरित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में शिकायत मिलने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

मोहपाश गिरोह का भंडाफोड़, एक सिपाही समेत तीन लोग गिरफ्तार

मुरादाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में पुलिस ने एक मोहपाश गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कांस्टेबल रिजवान, इकरा और फैसल के रूप में हुई है जबकि एक अन्य आरोपी बाबर अभी फरार है। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने एक व्यक्ति को जाल में फंसाकर गुप्त तरीके से एक महिला के साथ उसका आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किया और बाद में उसे ब्लैकमेल करने लगे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने शुरुआत में पीड़ित से 35,000 रुपए ऐंठ लिए और बाद में उसे दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर पांच लाख रुपए की मांग की। संभल जिले के एक निवासी की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (कटघर) आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार लोगों को जेल भेज दिया गया और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

छात्राओं ने शिक्षक पर लगाया 'यौन कदाचार' का लगाया आरोप

रांची/भाषा। झारखंड के रांची जिला प्रशासन ने एक स्कूल की कई छात्राओं श्रेरा एक शिक्षक पर यौन कदाचार का आरोप लगाने के बाद बुधवार को मामले की जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राज्य शिक्षा विभाग को एक गुमनाम पत्र मिला जिसमें छात्राओं की दुर्दशा और शिक्षक श्रेरा चैट और वीडियो कॉल के माध्यम से की गई कथित अश्लील टिप्पणियों का विवरण दिया गया था। मामले का संज्ञान लेते हुए रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार रात जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) को जांच करने का निर्देश दिया। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) विनय कुमार ने बताया, डीएसई ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। समिति ने बुधवार को रांची के रातू रोड स्थित स्कूल का दौरा किया। समिति की रिपोर्ट के आधार पर शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीएसई बादल राज ने कहा कि उन्होंने स्वयं स्कूल का दौरा किया था, लेकिन आरोपी शिक्षक वहां मौजूद नहीं था। डीएसई ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आरोपी शिक्षक आज स्कूल में उपलब्ध नहीं था। हमने उसे नोटिस भेजकर कहा है कि या तो वह कल उपस्थित हो अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि उसने सभी आरोप स्वीकार कर लिए हैं। इसलिए हमें इसके लिए 48 घंटे का समय चाहिए।

जवाबदेही के बिना सत्ता कायम रखने की कोशिश : अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्रियों को हटाने का प्रावधान करने वाले विधेयक मोदी सरकार श्रेरा जवाबदेही के बिना सत्ता बनाए रखने का प्रयास है। कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि ये विधेयक एक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं हैं क्योंकि केंद्र मतदाता सूची के एसआईआर को आगे बढ़ाने में अपनी विफलता से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है, जिसे अब उच्चतम न्यायालय में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, हम इन विधेयकों का समर्थन करने वाले पहले व्यक्ति होंगे। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि मंत्रियों की जेल की अवधि को प्रस्तावित 30 दिन से घटाकर 15 दिन कर दिया जाए। लेकिन सरकार को यह प्रावधान जोड़ना होगा कि यदि 16वें दिन मंत्री दोषी साबित नहीं होते हैं, तो संबंधित एजेंसी के जांच अधिकारियों और उसके शीर्ष अधिकारियों को जांच के नाम पर नेता को जेल में रखने की अवधि से दोगुने समय तक जेल में रहना होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच लोकसभा में 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि यदि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री या मुख्यमंत्री को ऐसे अपराधों के लिए गिरफ्तार किया जाता है और 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है।

ममता का आरोप

130वां संविधान संशोधन विधेयक भारत में लोकतंत्र को हमेशा के लिए समाप्त कर देगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि यह एक 'सुपर-आपातकाल' से भी बड़ा कदम है और यह भारत में लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त कर देगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच लोकसभा में बुधवार को 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 में प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराध के आरोपों में पद से हटाने का प्रावधान है। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि ये विधेयक देश की न्यायपालिका की स्वतंत्रता को खत्म कर देगा। उन्होंने कहा कि वह भारत सरकार श्रेरा आज लोकसभा में पेश किए गए 130वें संविधान संशोधन विधेयक की निंदा करती हैं। उन्होंने कहा, मैं इसे एक सुपर आपातकाल से भी बड़े, भारत के लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त करने की दिशा में उठाए गए कदम के तौर पर इसकी निंदी करती हूं। यह दमनकारी कदम भारत में लोकतंत्र और संघवाद के लिए खतरे की घंटी है।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ कहां 'छिपे' हैं, वह चुप क्यों हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे के बाद से जगदीप धनखड़ के सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आने का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को सवाल उठाया कि वह कहां ''छिपे'' हुए हैं और ''पूरी तरह से चुप'' क्यों हो गए हैं। उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के सम्मान में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि धनखड़ के (उपराष्ट्रपति) पद छोड़ने के पीछे एक ''कहानी'' है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि देश के पूर्व उपराष्ट्रपति ऐसी स्थिति में क्यों हैं, जहां ''वह एक शब्द भी नहीं बोल सकते'' और ''उन्हें छिपना पड़ रहा है।

संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा, पूर्व उपराष्ट्रपति कहां चले गए? वह क्यों छिपे हुए हैं?'' लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि जिस दिन उपराष्ट्रपति ने इस्तीफा दिया, केसी वेणुगोपाल उनके पास आए और कहा कि उपराष्ट्रपति ने ''पद छोड़ दिया है। राहुल ने कहा, उन्होंने इस्तीफा क्यों दिया, इसे लेकर एक बड़ी कहानी है। आप में से कुछ लोग इसे जानते होंगे, कुछ लोग नहीं जानते होंगे। लेकिन इसके पीछे एक कहानी है। उन्होंने कहा, ...और फिर एक कहानी यह भी है कि वह क्यों छिपे हुए हैं। भारत के (पूर्व) उपराष्ट्रपति ऐसी स्थिति में क्यों हैं, जहां वह एक शब्द भी नहीं बोल सकते और उन्हें छिपना पड़ रहा है... यह बात सभी जानते हैं।

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में 50,000 राशन कार्ड धारकों के नाम हटाए गए

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में अधिकारियों ने 50,000 से अधिक ऐसे राशन कार्ड धारकों के नाम हटा दिए हैं, जिन्होंने पिछले छह महीने या उससे अधिक समय से अपने कार्ड का इस्तेमाल नहीं किया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार सत्यापन अभियान के दौरान कुल 1,64,237 निष्क्रिय राशन कार्ड धारकों में से 50,323 के नाम हटा दिए गए हैं। बयान में कहा गया कि 576 कार्डधारक लाभ पाने के योग्य पाए गए, जबकि 1,13,338 अन्य के नामों की जांच की जा रही है। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर, सत्यापन के बाद अपात्र राशन कार्ड धारकों के नाम सूची से हटाने के लिए व्यापक अभियान जारी है। बयान में कहा गया कि जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों से 20,067 नाम हटाए गए, क्योंकि उनके आधार कार्ड नंबर संदिग्ध पाए गए। ऐसे 2,500 से अधिक राशन कार्ड धारकों की जांच की जा रही है। इसमें कहा गया कि अधिकारियों ने 18 वर्ष से कम या 100 वर्ष से अधिक आयु के 2,274 एकल-सदस्यीय कार्ड धारकों के नाम हटा दिए हैं, जबकि 13,332 अन्य का सत्यापन किया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक निष्क्रिय कार्ड धारक जमशेदपुर के शहरी क्षेत्र (68,565) और जमशेदपुर एवं गोलमुरी क्षेत्र में पाए गए, जहां यह आंकड़ा 46,703 है।

कुलदीप यादव एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके, केशव महाराज फिर शीर्ष पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव बुधवार को जारी गेंदबाजों की नवीनतम आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

महाराज ने केन्र्स में तीन मैच की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय मैच में अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया पर 98 रन से जीत दिलाने के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए बाएं हाथ के 35 वर्षीय स्पिनर महाराज ने 33 रन देकर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने कुलदीप और श्रीलंका के महेश तीक्षणा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराज इससे पहले नवंबर और दिसंबर 2023 में कुछ समय के लिए शीर्ष पर थे।

कुलदीप के अलावा रविंद्र जडेजा एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं। भारतीय टीम ने चैंपियन्स ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद से कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाने में सफल रहे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के आखिरी मैच में 18 रन देकर छह विकेट लिए थे। वह 15 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद (15 पायदान के फायदे से 39वें स्थान पर) और वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर रोस्टन चेस (पांच पायदान के फायदे से 58वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़ने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। पुरुषों की बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन गिल 784 अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। श्रेयस अय्यर छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं। पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी वनडे में नाबाद 120 रन बनाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं जबकि एडेन मार्करम (चार पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर), तेम्बा बावुमा (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर) और मिचेल मार्श (छह पायदान ऊपर 48वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे और यशस्वी जायसवाल 10वें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस सुधार जारी रखते हुए नौ स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्श और ग्लेन मैक्सवेल क्रमशः चार और 10 स्थान की छलांग लगाकर 25वें और 30वें स्थान पर हैं।

बीजद, कांग्रेस ने ओडिशा में एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में पूर्ण पारदर्शिता की बुधवार को मांग की। यह प्रक्रिया राज्य में 20 वर्षों के अंतराल के बाद अगले महीने शुरू होगी। दोनों दलों ने यह भी घोषणा की कि यदि ओडिशा में ''बिहार जैसी कवायद'' की गई तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। बिहार में निर्वाचन आयोग श्रेरा विशेष गहन पुनरीक्षण के पहले चरण के तहत तैयार की गई मसौदा मतदाता सूची में 65 लाख से अधिक फार्म ''शामिल नहीं'' किए गए, जिससे कुल पंजीकृत मतदाताओं की संख्या लगभग 7.9 करोड़ घटकर 7.24 करोड़ रह गई। ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आरएस गोपालन ने कहा कि राज्य के सभी राजनीतिक दलों को एसआईआर के बारे में सूचित कर दिया गया है और सितंबर में इसे शुरू करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि संशोधन के तहत राज्य भर में मतदान केन्द्रों की संख्या 38,000 से बढ़कर 45,000 हो जाएगी, जिससे बेहतर पहुंच और मतदाता सुविधा सुनिश्चित होगी। गोपालन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ओडिशा में मतदाता सूची का अंतिम गहन पुनरीक्षण 2002 में किया गया था। बीजद प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने कहा, अगर एसआईआर निष्पक्ष रूप से की जाती है, तो हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन बिहार जैसी कवायद सभी को अलग तरह से सोचने पर मजबूर कर देगी। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर स्पष्टता होनी चाहिए।

सुविचार

धैर्य रखने से हारी हुई बाजी भी जीती जा सकती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत-चीन संबंधों में सुधार के संकेत

भारत और चीन के संबंधों में सुधार के संकेत मिलना स्वागत योग्य है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा पर तनाव कम करने और संबंधित मुद्दों पर बातचीत के बाद जो बयान दिया, उससे इस संभावना को बल मिलता है कि भविष्य में दोनों देश अपने संबंधों को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त और एक सितंबर को तियानजिन में आयोजित होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बड़बोलेपन से बाज़ नहीं आ रहे और रूसी तेल आयात को लेकर भारत को टैरिफ की धमकियां दे रहे हैं। भारत-चीन संबंधों में सुधार आने से दोनों देशों को अनेक लाभ हो सकते हैं। दोनों ही दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं। ये दुनिया की कुल आबादी के लगभग 35 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो बहुत बड़ा बाजार, बहुत मांग और बहुत खपत। चीन, भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों के संबंधों में सुधार से व्यापार और निवेश के अवसरों में वृद्धि होगी। इससे लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो सकते हैं। चीन ने इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और अन्य तकनीकी क्षेत्रों में बहुत उन्नति की है। उसने आसान कृषि को बढ़ावा देने के लिए कई यंत्रों का निर्माण किया है। हम उस तकनीक पर काम कर करोड़ों किसानों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में सैनिकों की वापसी और पारस्परिक गश्त की बहाली से दोनों देशों के बीच यकीनन तनाव कम हुआ है। यह न सिर्फ भारत, बल्कि चीन के लिए भी अच्छा है। अत्यधिक ऊंचाई और विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में तनाव बढ़ने और बड़ी तादाद में सैनिकों की तैनाती से दोनों को ही नुकसान होता है। बेहतर होगा कि दोनों देश मिलकर किसी ऐसे समाधान पर पहुंचें, जिससे सैन्य तैनाती की लागत और घटे तथा करोड़ों नागरिकों का जीवन स्तर सुधरे। चीन के साथ भारत का कोई सांस्कृतिक टकराव नहीं रहा है। एक ओर जहां पाकिस्तान मजहब के नाम पर भारत के साथ लगातार टकराव और आतंकवाद की नीति पर अड़ा हुआ है, उसने अपने नागरिकों के मन में नफरत घोल रखी है, वहीं चीन के साथ ऐसा नहीं है। इस देश के साथ हमारे सदियों पुराने मधुर संबंध रहे हैं। प्राचीन काल में चीन से कई विद्यार्थी हमारे विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने आते थे। चीनी यात्री ह्वेन सांग को कौन भूल सकता है! चीनियों के लिए भारत धर्म, ज्ञान और योग की भूमि है। एक आम चीनी के मन में भारत के लिए नफरत नहीं, बल्कि जिज्ञासा है। आज भी भारत के कई योग प्रशिक्षक चीन में कार्यरत हैं। वे बताते हैं कि चीनी उनका बहुत सम्मान करते हैं। उनके बीच रहकर कभी महसूस ही नहीं हुआ कि ये लोग हमसे नफरत करते हैं। चीनी भारतीय संस्कृति, खानपान, पहनावे, त्योहार और सिनेमा से बहुत प्रभावित हैं। उनकी सरकार भले ही कट्टर नास्तिकता को बढ़ावा देती हो, लेकिन एक आम चीनी के मन में आध्यात्मिक जिज्ञासा होती है। वह वाराणसी, बोधगया, हरिद्वार समेत विभिन्न तीर्थों के दर्शन करना चाहता है। इसके अलावा तमिलनाडु, केरल के आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र उसे आकर्षित करते हैं। समस्या चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ है, जो भारत को हमेशा प्रतिद्वंद्वी मानती है। संबंधों में सुधार के लिए उसे अपना रवैया बदलना होगा।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान के मेरे परिवारजनों को नए एयरपोर्ट की बहुत-बहुत बधाई! हमारी सरकार ने कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकसित करने को मंजूरी दी है। इससे देशभर से यहां आने-जाने वालों का हवाई सफर और सुगम होगा, साथ ही पर्यटन एवं रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

-नरेन्द्र मोदी

गोवत्स द्वादशी के पावन अवसर पर शुभकामनाएँ। सनातन संस्कृति की आधारशिला, सर्वसुखदायिनी गौमाता की कृपा से आप सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आनंद का संचार हो। गौमाता का आशीर्वाद हम सबको सत्मार्ग पर चलने की शक्ति दे ।

-वसुंधरा राजे

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री राजीव गांधी जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन। राजीव जी ऐसे युवा प्रधानमंत्री थे जिन्होंने देश को नई सोच, नीतियों की नई दिशा, सूचना क्रांति और ग्रामीण भारत की प्रतिभाओं को शिक्षा, संचार और नेतृत्व का अवसर दिया।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

मौन में मुखर भक्ति

जब हनुमान जी की दृष्टि एक घायल मोर पर पड़ी, जो राम नाम का जाप नहीं कर रहा था, तो उनका मन व्याकुल हो गया। जहां सभी जीव राम का गुणगान कर रहे थे, वहीं यह मोर नि:शब्द पड़ा था। हनुमान जी ने पूछा, 'हे मोर, तुम राम नाम क्यों नहीं जपते?' मोर मौन रहा। हनुमान जी सोच में पड़ गएक्या यह प्रभु से विमुख है, या इसकी पीड़ा ही इसे मौन बना रही है? इस संशय को लेकर वे श्रीराम और सीता जी के पास पहुंचे और सारी बात विस्तार से बताई। हनुमान की जिज्ञासा सुनकर श्रीराम मुस्कुरा उठे और बोले, हनुमान, यदि तुम जानना चाहते हो कि भक्ति का असली स्वरूप क्या है, तो इस मोर की सेवा करो। न राम नाम सिखाओ, न कोई प्रवचन दो, बस इसे ठीक करो। हनुमान जी ने विनम्रता से आज्ञा स्वीकार की। वे दिन-रात उस मोर की सेवा में लगे रहे। अपने उपचार से उन्होंने उसके घाव तो भर दिए, पर मोर अब भी मौन था। एक दिन, जब हनुमान उसकी सेवा में लीन थे, उन्होंने देखा कि मोर की आंखों से अश्रु बह रहे हैं और उसकी दृष्टि में श्रीराम की छवि स्पष्ट प्रतिबिंबित हो रही है। उस क्षण हनुमान को अनुभूति हुई 'यह तो राम को उसी तरह देख रहा है जैसे मैं।' उनकी आंखें भर आईं।

सामयिक

संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग का ऐसा अपमान किसे स्वीकार्य होगा?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

गहराई से देखें तो केंद्रीय सत्ता में होने के कारण आरोप भाजपा पर ही है। आखिर चुनाव आयोग ऐसा कर रहा है तो उसके पीछे कुछ लालच या फिर सत्ता का दबाव ही हो सकता है। यानी भाजपा सत्ता पर कब्जा करने के लिए चुनाव आयोग में शीर्ष से नीचे तक ऐसे लोगों की नियुक्तियां करता है जो उनके लिए ही काम करे और न करने वालों के विरुद्ध परोक्ष तरीके से कदम उठाता है।

यह अभूतपूर्व अशोभनीय और अनेक अर्थों में अस्वीकार्य व आपत्तिजनक स्थिति है। देश के कुछ नेता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग के विरुद्ध संसद से सड़क तक अभियान चलाएं इसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी। अगर आईएनडीआईए सांसदों की बैठक में चुनाव आयोग के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव जैसा प्रस्ताव लाने की बात उठी तो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में इससे डरावनी स्थिति कुछ हो ही नहीं सकती। हालांकि इस सत्र का अवसान हो रहा है और इसमें प्रस्ताव आ नहीं सकता। दूसरे, प्रस्ताव आया भी तो सदस्य संख्या के हिसाब से यह गिर जाएगा। किंतु इस पर विचार होना ही अंदर से हिला देने वाला है। चुनाव आयोग ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट बोला है कि या तो जो आरोप लगा रहे हैं उसका प्रमाण दें नहीं तो क्षमा मांगे। दूसरी ओर बिहार में वोट अधिकार यात्रा के नाम से यात्रा कर रहे राहुल गांधी ने सासाराम में यात्रा आरंभ करते हुए कहा कि न हम चुनाव आयोग से डरने वाले हैं और न तेजस्वी यादव। राहुल गांधी और उनके रणनीतिकारों – सलाहकारों तथा इनके पिछले लंबे समय से चुनाव आयोग और संपूर्ण चुनाव प्रणाली की साख पर चोट करने के लगातार अभियानों पर दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि उनकी ऐसी ही प्रतिक्रिया आती रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा पहले अपने आरोपों पर शपथ पत्र मांगने के विरुद्ध उनकी प्रतिक्रिया थी कि मुझे शपथ पत्र देने की आवश्यकता नहीं। उन्होंने यह तर्क दे दिया कि मैंने संविधान की शपथ लिया है तो उससे बड़ा शपथ क्या हो सकता है। साफ है कि जब वह बार-बार चुनाव आयोग को भाजपा का एजेंट बता रहे हो और आईएनडीआईए के घटकों से उन्हें समर्थन भी मिल रहा हो तो वे क्यों पीछे हटेंगे? भारतीय राजनीति में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गरिमा और मर्यादा का भाव होता तो चुनाव आयोग के विरुद्ध इस तरह की भाषा प्रयोग नहीं की जाती।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सबसे बडा हमला करते हुए अपने 1 घंटे 11 मिनट के वक्तव्य में 21 पृष्ठों के पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से साबित करने की कोशिश की कि चुनाव आयोग भाजपा की मदद करने के लिए मतदाता सूची में जबरदस्त गड़बड़ी करता है और जहां भाजपा को चुनाव में पराजित होना चाहिए वहां मतदाताओं की फर्जी संख्या के आधार पर जीत दिला देता है। चुनाव आयोग के विरुद्ध नई लड़ाई का आरंभ उन्होंने बिहार में 17 अगस्त से 2 सितंबर तक की वोट अधिकार यात्रा से कर दिया। इसका फोकस ही चुनाव आयोग और उसके द्वारा आरंभ एसाईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान है। राहुल गांधी का पूरा अभियान सुनियोजित है। कांग्रेस पार्टी द्वारा एक वेब पोर्टल बनाकर लोगों से कहा गया है कि कि चोरी के वीरुद्ध जवाब दें तथा डिजिटल मतदाता सूची के मांग का समर्थन करें। कहने का तात्पर्य कि लंबी तैयारी से कांग्रेस पार्टी ने इसे आरंभ किया है। चूंकि इस तरह कभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को चुनाव आयोग के विरुद्ध आरोप लगाते और अभियान छेड़ते नहीं देखा गया इसलिए यह निष्कर्ष निकालना कठिन है कि आखिर इसका परिणाम क्या आएगा ? इसका अंत कैसे होगा? इसका अंत होगा या नहीं?

आखिर चुनाव आयोग क्या करे? राहुल गांधी ने कर्नाटक के मध्य बेंगलूरु संसदीय क्षेत्र के महादेवपूरा विधानसभा का अपने दृष्टि से आंकड़ा दिया उस पर पहले ही कर्नाटक चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण आ चुका है। उन्होंने पांच विधानसभा में जीतने और एक में भाजपा के वोट बढ़ जाने से पराजय को चुनाव आयोग की चोरी बता दिया। उनके अनुसार दोनों पार्टियों को मिले वोटों का अंतर 32,707 था लेकिन महादेवपुरा की गणना में अंतर 1,14,046 का रहा। तो 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी हुई। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा दोनों जगह भाजपा की बढ़त के लिए चुनाव आयोग को ही जिम्मेदार ठहरा दिया। पहले कर्नाटक चुनाव आयोग ने एक महिला मतदाता शकुन रानी द्वारा दो बार वोट डालने के आरोपों का खंडन करते हुए बताया कि आपने जो दस्तावेज दिए उसको मतदान अधिकारी के हस्ताक्षर वाले नहीं थे, आपको कहां से यह जानकारी मिली बताएं? अन्य मतदाता भी सामने आए तथा बताया कि वह उन्होंने एक ही जगह वोट डाला है। राहुल गांधी ने इसका कोई उत्तर नहीं दिया। उनको उत्तर देना भी नहीं है। उनको पता है कि महाराष्ट्र के धुले लोकसभा सीट पर। भाजपा भी पांच विधानसभा में आगे थी लेकिन मालेगांव सेंट्रल में कांग्रेस को 1 लाख 94000 वोट आ गए और वह जीत गई। राहुल गांधी इन तथ्यों से अप्रभावित होकर चुनाव आयोग के विरुद्ध अपने अभियान पर कायम हैं। उनके पहले के आरोपों पर भी चुनाव आयोग ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उत्तर दिया। एक संवैधानिक संस्था की सीमाएं होती है और वह यही कर सकता था। चुनाव आयोग ने वक्तव्य जारी किया कि आप फर्जी मतदाताओं का आरोप लग रहे हैं तो नियम के अनुसार शपथ पत्र दीजिए ताकि निर्धारित प्रक्रिया से जांच की जाए। आयोग ने नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया तो राहुल गांधी सारे विपक्षी सांसदों को लेकर जाने लगे। यह क्या है?

चुनाव आयोग के पास कोई विकल्प बचा नहीं था तभी उसे पत्रकार वार्ता आयोजित कर उत्तर देना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एक-एक प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी मतदाता का नाम दो जगह होने का अर्थ नहीं है कि उसने दोनों जगह मतदान किया ही। इसका अर्थ था कि मतदाता सूची बनाने वालों से कई बार गलतियां हो सकती हैं। यह सच है। अपवादस्वरूप पूरे देश में ऐसे मतदाता होंगे जिनके नाम दो स्थानों पर हो सकते हैं। एक जगह पहले नाम रहा हो और उन्होंने वह जगह छोड़ने के बाद दूसरी जगह भी मतदाता के नाते पंजीकरण कराया हो और पहले वाले को रद्द नहीं कराया हो। कुछ लोग ऐसे भी हो सकते हैं जो अवसर मिलने पर दोनों जगह मतदान कर दें। किंतु चुनाव आयोग जानबूझकर योजनापूर्वक ऐसा कर रहा है और वह भी केवल भाजपा का वोट बढ़ाने के लिए यह आरोप भयानक है। अगर चुनाव आयोग किसी पार्टी के पक्ष में है तो हमारी पूरी चुनाव प्रणाली ही पतित है और इसका अंत होना चाहिए। बिना जन आधार के भाजपा चुनाव आयोग द्वारा भ्रष्ट प्रणाली से सत्ता प्राप्त कर रही है तो शासन पर उसकी नैतिक अधिकारही समाप्त हो जाता है। इस तरह यह जघन्य आरोप है। इससे हमारी पूरी लोकतांत्रिक प्रणाली है की साख ही प्रश्नों के घेरे में आ जाती है।

इस दृष्टि से देखें तो राहुल गांधी और उनके सुर में ताल मिलाते विपक्ष के इस अभियान की भयानक गंभीरता समझ में आती है। कहा जा रहा है कि आरोप चुनाव आयोग पर है और जवाब भाजपा दे रही है। चुनाव आयोग भी जवाब दे रहा है।

गहराई से देखें तो केंद्रीय सत्ता में होने के कारण आरोप भाजपा पर ही है। आखिर चुनाव आयोग ऐसा कर रहा है तो उसके पीछे कुछ लालच या फिर सत्ता का दबाव ही हो सकता है। यानी भाजपा सत्ता पर कब्जा करने के लिए चुनाव आयोग में शीर्ष से नीचे तक ऐसे लोगों की नियुक्तियां करता है जो उनके लिए ही काम करे और न करने वालों के विरुद्ध परोक्ष तरीके से कदम उठाता है। किसी पार्टी पर यह आरोप लगाए कि उसकी सत्ता तो केवल चुनाव आयोग द्वारा वोट चोरी करने या लूटने के कारण है तो वह उत्तर देगा या नहीं? दूसरे , सरकार मानती है कि सारे आरोप आधारहीन एवं गलत इरादे से लगाए जा रहे हैं तो उसका स्वाभाविक दायित्व संवैधानिक संस्थाओं पर लगने वाले आरोपों के विरुद्ध खड़ा होना तथा इसका अंतिम सीमा तक खंडन करना है। सत्तासीन पार्टी या घटक द्वारा ऐसा न करने का अर्थ सारे आरोपों को मौन रहकर स्वीकार करना माना जाएगा। चुनाव चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट नहीं है कि वह अपनी ओर से संज्ञान लेकर मुकदमा शुरू कर दे और सजा भी दे दे। लेकिन आरोप लगाना और खंडन करना भी अंतहीन नहीं हो सकता। प्रश्न यही है कि आखिर इस अशोभनीय स्थिति का अंत कैसे हो? उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियां भी राहुल गांधी एवं विपक्ष को नहीं रोक पा रही। इसलिए स्थिति ज्यादा विकेट है।

नजरिया

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरुआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है-समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है।

समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की।

प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम वृद्धों की देखभाल करने के दायित्व का निर्वाह ईमानदारी से करें, जिन्होंने कभी हमारी देखभाल की थी, सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। उम्र दरअसल उन वर्षों की गिनती है जिनमें दुनिया ने हमारे साथ यात्रा की है। बुजुर्ग जीवित पुस्तकालय हैं, जिनमें ज्ञान की अनगिनत दुनिया छिपी है। उनका सम्मान करना अपने भविष्य का सम्मान करना है, और यही शक्ति, अनुग्रह और विरासत को सहेजने का मार्ग है। यह दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम बुजुर्गों को केवल जीने के लिए ही नहीं, बल्कि सम्मान और उत्साह के साथ जीने का अधिकार देंगे। हमें अतीत का सम्मान करना है, वर्तमान को संजोना है और सभी उम्र के लोगों के लिए एक समावेशी भविष्य की आशा करनी है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता ।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऑनलाइन मनी गेमिंग में हर साल 45 करोड़ लोग गंवा देते हैं 20,000 करोड़ रुपए : सरकारी अनुमान

नई दिल्ली/भाषा। सरकार का अनुमान है कि ऑनलाइन 'रियल मनी' गेमिंग में हर साल करीब 45 करोड़ लोग लगभग 20,000 करोड़ रुपए गंवा बैठते हैं। एक आधिकारिक सूत्र ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सूत्र ने कहा कि सरकार ने यह माना है कि ऑनलाइन 'रियल मनी' गेमिंग समाज के लिए बड़ी समस्या बन चुकी है लिहाजा राजस्व हानि की आशंका के बावजूद लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देने का फैसला किया गया है।

सूत्र ने कहा, एक मोटा अनुमान है कि 45 करोड़ लोग हर साल गेमिंग गतिविधियों में अपने पैसे गंवा देते हैं। यह नुकसान कुल मिलाकर करीब 20,000 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

सरकार ने लोकसभा में 'ऑनलाइन गेमिंग (प्रोत्साहन एवं विनियमन) विधेयक, 2025' पेश किया है जिसमें ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सामाजिक गेमिंग को बढ़ावा देने के साथ ही किसी भी प्रकार के धन-आधारित गेमिंग पर प्रतिबंध का प्रस्ताव रखा गया है। इस संबंध में सूत्र ने कहा, धन से जुड़ी ऑनलाइन गेमिंग गतिविधियां समाज के लिए गंभीर समस्या बन चुकी हैं। हर सांसद ने इसके दुष्प्रभावों पर चिंता जताई है। गेमिंग उद्योग के एक-तिहाई हिस्से से मिलने वाले राजस्व और समाज कल्याण के बीच में से सरकार ने समाज कल्याण को चुना है। सूत्र ने कहा कि विधेयक में धन-आधारित गेमिंग में लिप्त पाई जाने वाली इकाइयों पर कार्रवाई मुख्य रूप से राज्य सरकारों के सुपुर्द की गई है।

विधेयक के प्रावधान का उल्लंघन कर धन-आधारित गेमिंग सेवा उपलब्ध कराने वालों को तीन साल तक की कैद या एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। इसी तरह नियमों के विपरीत विज्ञापन करने वालों के लिए दो साल तक की कैद या 50 लाख रुपए तक का जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है। सूत्र ने कहा कि कई ऑनलाइन गेमिंग मंच खुद को 'कौशल का खेल' बताकर सट्टेबाजी से अलग दिखाने की कोशिश करते हैं। '

सूत्र ने कहा, जहां तक गेम खेलने वालों का सवाल है तो वो पीड़ित हैं, उन पर कोई दंड नहीं लगेगा। कार्रवाई केवल उन पर होगी जो मंच उपलब्ध कराते हैं या लेन-देन सेवाएं मुहैया कराते हैं। उन्होंने बताया कि विधेयक के तहत ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सामाजिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए बजट, योजनाएं और एक प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। यह गेमिंग उद्योग के दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और रोजगार सृजन में मदद करेगा।

सूत्र ने बताया कि पिछले साढ़े तीन साल से सरकार प्रयास कर रही थी, लेकिन 'रियल मनी' गेमिंग कंपनियां उन्हें दरकिनार कर रही थीं।

सूत्र ने कहा, जीएसटी के जरिये भी उन्हें रोकने की कोशिश हुई थी लेकिन उसे भी दरकिनार कर दिया गया। नियामक संस्था का प्रस्ताव भी हितों के टकराव की वजह से आगे नहीं बढ़ पाया। सार्वजनिक और जनप्रतिनिधियों की शिकायतों के बाद यह विधेयक लाया गया है।

इस बीच, धन-आधारित गेमिंग उद्योग से जुड़े संगठनों ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर चिंता जताई है कि यह विधेयक रोजगार सृजित करने वाले इस उभरते उद्योग को समाप्त कर देगा। ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन, ई-गेमिंग फेडरेशन और फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स ने इस पत्र में कहा है कि ऑनलाइन स्किल गेमिंग उद्योग का मूल्यांकन दो लाख करोड़ रुपए से अधिक है और इसकी वार्षिक आय 31,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

गेमिंग संगठनों के मुताबिक, यह उद्योग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान करता है और 2028 तक इसके दोगुना हो जाने का अनुमान है।

बुधवार को नई दिल्ली में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके आवास के बाहर मुलाकात के बाद दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा और मनजिंदर सिंह सिरसा।

अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा, हिंदू लड़कियों के जबरन धर्मांतरण में वृद्धि : पाक मानवाधिकार निकाय

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के शीर्ष मानवाधिकार संगठन ने कहा है कि पिछले वर्ष के दौरान धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, साथ ही हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्मांतरण व नाबालिगों की शादियों की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) श्रेरा मंगलवार को यहां जारी की गई रिपोर्ट 'डर की गलियां: 2024 25 में धर्म या आस्था की स्वतंत्रता' ने देश में अहमदियों, हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता व अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए एक बेहद चिंता जनक वर्ष का दस्तावेजीकरण किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिसमें अहमदिया लोगों की लक्षित हत्याएं और उनके संरक्षित पूजा स्थलों को ध्वस्त करना शामिल है। एचआरसीपी ने कहा कि पंजाब और सिंध प्रांत में हिंदू और ईसाई लड़कियों का लगातार जबरन धर्मांतरण और कम उम्र में विवाह हो रहा है, जिससे बाल विवाह निरोधक कानूनों को लागू करने में व्यवस्थित विफलता उजागर होती है। निकाय ने कहा कि ईशनिंदा के आरोपी, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की भीड़ श्रेरा हत्या का चलन बढ़ गया है। इसमें कहा गया है, अब सबसे भयावह घटना ईशनिंदा के आरोपी अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की न्यायेतर हत्या की है। इसमें कहा गया है कि ईशनिंदा के आरोपी दो व्यक्तियों को पुलिस ने उस समय न्यायेतर तरीके से मार डाला जब वे उग्र भीड़ से सुरक्षा की मांग कर रहे थे। इसमें यह भी कहा गया है कि ऐसी घटनाएं कानून प्रवर्तन और जवाबदेही तंत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बार एसोसिएशनों का झुकाव तेजी से कट्टरपंथी धार्मिक समूहों की सोच की तरफ होना चौंकाने वाला है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह प्रवृत्ति विधि व्यवसाय की स्वतंत्रता को कमजोर करती है।

रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका का भारत पर दबाव डालना अनुचित : रूस

नई दिल्ली/भाषा। रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने बुधवार को कहा कि रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारत के खिलाफ अमेरिका की दंडात्मक कार्रवाई से उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए रूस के पास एक विशेष तंत्र है। भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद भारत और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हुए हैं।

बाबुश्किन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई दिल्ली के साथ अपने देश के संबंधों में तेजी से सुधार होने की उम्मीद जताई और कहा कि विभिन्न सैन्य साजोसामान व उपकरण की आवश्यकता के लिए रूस भारत का पसंदीदा साझेदार रहा है। उन्होंने रूसी तेल की खरीद बंद करने को लेकर भारत पर अमेरिका की ओर से निरंतर दबाव बनाए जाने को अनुचित बताया और कहा कि इस तरह का दृष्टिकोण और प्रतिबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता व ऊर्जा सुरक्षा के लिए हानिकारक है। बाबुश्किन ने कहा, भारत के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है। हमें भारत के साथ अपनी साझेदारी पर भरोसा है। हम दोनों देशों के बीच ऊर्जा संबंधों में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत-रूस ऊर्जा सहयोग बढ़ता रहेगा।

पिछले हफ़्ते, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चेतावनी दी थी कि अगर भारत रूसी कच्चे तेल की ख़रीद जारी रखता है, तो ट्रंप प्रशासन भारत पर शुल्क बढ़ा सकता है। अमेरिका ने रूस के साथ ऊर्जा संबंधों के कारण भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है, लेकिन उसने रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन के ख़िलाफ़ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की है।

भारत रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों ने मास्को पर प्रतिबंध लगाकर कच्चे तेल की आपूर्ति बंद कर दी थी, जिसके बाद भारत ने कम दामों पर रूसी तेल की खरीद शुरू कर दी थी।

इसके परिणामस्वरूप, कुल तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 2024-25 में बढ़कर 35.1 प्रतिशत हो गई जो 2019-2020 में मात्र 1.7 प्रतिशत थी।

बाबुश्किन ने कहा, प्रतिबंध का असर उन्हें लगाने वालों पर ही पड़ रहा है। हमें विश्वास है कि बाहरी दबाव के बावजूद भारत-रूस ऊर्जा सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने कहा, रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की मांग बढ़ रही है। निस्संदेह, यह हमारी अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सामंजस्य और पूरकता का एक आदर्श उदाहरण है।

बाबुश्किन ने कहा कि दोनों पक्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रूसी बाजार भारतीय निर्यात का स्वागत करेगा।

रूसी राजदूत ने कहा कि इस साल के अंत में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं।

हॉरर लव स्टोरी 'थामा' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स अपनी हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स के लिए जाना जाता है। 'स्त्री', 'स्त्री 2', और 'भेड़िया' जैसी फिल्मों के बाद अब इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'थामा' आ रही है, जिसका टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है।

इसमें रोमांस के साथ-साथ हॉरर और एक्शन का अनोखा मेल देखने को मिल रहा है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। टीजर की शुरुआत एक घने जंगल से होती है, जहां आयुष्मान और रश्मिका एक-दूसरे के साथ समय बिता रहे हैं। इस दौरान बैकग्राउंड से आवाज आती है, 'रह पाओगी मेरे बिना? 100 साल तक?' और इस पर एक्ट्रेस जवाब देती है, '100 साल तो क्या, एक पल के लिए भी नहीं।' इस डायलॉग के बाद कहानी भयानक मोड़ लेती है। आयुष्मान और रश्मिका की लव स्टोरी के बीच टीजर में डरावने और थ्रिल से भरपूर सीन आते हैं। जंगल में कुछ अजीब घटनाएं होती हैं। आयुष्मान जानवरों और खतरनाक ताकतों से लड़ते नजर आते हैं।

टीजर की लंबाई करीब 1 मिनट 49 सेकंड है और इसमें कई ऐसे सीन हैं, जिन्हें देख आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। इसमें मलाइका अरोड़ा के डांस की झलक भी है। वहीं, वेब सीरीज 'पंचायत' के 'प्रह्लाद चा' यानी फैसल मलिक भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे दिग्गज कलाकार भी फिल्म में नजर आएंगे। टीजर के आखिर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी डरावने लुक में दिखते हैं और कहते हैं, ''पिछले 75 सालों से कोई रोमांस नहीं देखा मैंने... चालू रखो।' इस झलक से स्पष्ट है कि फिल्म में रोमांस के साथ-साथ हॉरर, एक्शन, और थ्रिल का जबरदस्त तड़का है। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। मैडॉक फिल्म्स ने इसे अपनी पहली हॉरर लव स्टोरी बताया है। इंस्टाग्राम पर फिल्म के टीजर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ना डर कभी इतना शक्तिशाली था, और ना प्यार कभी इतना खूनी। 'थामा' दीवाली के आसपास रिलीज होगी।

फिल्म 'अक्षकल आयिरम' की शूटिंग शुरू

नई दिल्ली/भाषा

मलयालम फिल्म ''अक्षकल आयिरम'' का निर्माण शुरू हो गया है जिसमें जयराम और उनके पुत्र कालिदास 22 साल बाद पहली बार साथ काम कर रहे हैं। प्रोडक्शन हाउस, श्रीगोकुलम प्रोडक्शन्स द्वारा साझा किए गए वीडियो में फिल्म के कलाकारों और यूनिट के सदस्यों को एक प्रार्थना समारोह में भाग लेते हुए दिखाया गया है, जो फिल्म की शूटिंग शुरू होने का प्रतीक है। जयराम की बेटी मालविका जयराम भी इस अवसर पर मौजूद थीं। प्रोडक्शन हाउस ने इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ कैप्शन दिया ''पूजा समारोह! अक्षकल आयिरम का सफर शुरू!'' पिता-पुत्र की जोड़ी ने 2003 की फिल्म ''एंते वीदु अप्पुविंतेयुम'' में साथ काम किया था, जिसके लिए कालिदास ने सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था। ''अक्षकल आयिरम'' का निर्देशन जी प्रजित ने किया है और इसकी पटकथा जूड एंथनी जोसेफ और अरविंद राजेंद्र ने लिखी है। फिल्म में आशा सारथ, आनंद मनमदन और ईशानी कृष्णा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। जयराम को आखिरी बार राम चरण अभिनीत फिल्म ''गेम चेंजर'' और तमिल फिल्म ''रेट्रो'' में देखा गया था।

बुसान फिल्म महोत्सव में चयनित हुई असम के फिल्म निर्देशक की पहली फीचर फिल्म

गुवाहाटी/भाषा

असम के फिल्म निर्देशक महर्षि तुहिन कश्यप की पहली फीचर फिल्म 'कोक कोक कूक्कूक' को दक्षिण कोरिया में बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के 30वें संस्करण के 'विजन एशिया खंड' के लिए चुना गया है। बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि कोलकाता के 'सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एसआरएफटीआई)' द्वारा निर्मित यह फिल्म एक जादुई यथार्थवादी 'हॉरर ड्रामा' है। यह फिल्म एक शहर में पहचान के लिए संघर्ष कर रहे प्रवासियों के गहन जीवन को दर्शाती है। जादुई यथार्थवाद और काव्यात्मक कल्पनाशीलता के विशिष्ट इस्तेमाल के लिए पहचाने जाने वाले कश्यप, पहले एक लघु फिल्म निर्माता के रूप में प्रसिद्ध थे। वह अपनी जन्मभूमि असम के गुवाहाटी की एक काफी व्यक्तिगत, लेकिन सार्वभौमिक कहानी लेकर पर्दे पर लेकर आए हैं। निर्देशक ने कहा, ''यह फिल्म असम के उन लोगों को समर्पित है जिन्हें कभी बिना किसी हिचक के विविधता पर नाज होता था। मुझे डर है कि समय और सोच दोनों बदल रहे हैं।''

उन्होंने आशा जताई कि यह फिल्म ''मेरे अस्तित्व और उन सभी लोगों की लड़ाई की गवाही बने जो हर दिन अपनी पहचान के लिए संघर्ष करते हैं।'' एसआरएफटीआई के पूर्व छात्र कश्यप ने इस फिल्म को अपने अंतिम शोध प्रोजेक्ट के रूप में बनाया है जिसमें फिल्म निर्देशक डॉमिनिक सांगमा उनके मार्गदर्शक रहे। कश्यप की लघु फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सराहना मिली है जिनमें कई वैश्विक फिल्म महोत्सवों में दिखायी गयी और कई को पुरस्कार भी मिले हैं। विज्ञप्ति में बताया गया कि बुसान फिल्म महोत्सव में 'कोक कोक कूक्कूक' का वर्ल्ड प्रीमियर न केवल फिल्मकार के लिए बल्कि असम के समकालीन सिनेमा के लिए भी मील का एक पत्थर है जो वैश्विक मंच पर लगातार अपनी पहचान बना रहा है। बीआईएफएफ में विजन एशिया खंड कोरिया और एशिया की अभूतपूर्व कृतियों को प्रस्तुत करता है। 30वां बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 17 से 26 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा।

शंकर महादेवन और उनके बेटों का भक्ति गीत 'जय श्री गणेश' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

गायक शंकर महादेवन ने अपने दोनों बेटों सिद्धार्थ और शिवम महादेवन के साथ मिलकर बुधवार को भक्ति गीत 'जय श्री गणेश' रिलीज किया। यह गीत गणेश चतुर्थी के उत्साह और भक्ति को जीवंत करता है। गायक ने गीत को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'जय श्री गणेश' भगवान गणेश की प्रेरणा से भरा एक उत्सवपूर्ण गीत है। यह भक्ति और आनंद का एक समान मिश्रण है। मुझे खुशी होगी, अगर लोग इस गीत के साथ बप्पा का स्वागत करेंगे। सिद्धार्थ महादेवन ने बताया कि 'जय श्री गणेश' का माहौल बिल्कुल उत्सव मनाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह गीत सुनते ही किसी का भी तुरंत आरती में शामिल होकर झूमकर नाचने का मन करेगा। शिवम महादेवन ने कहा, अपने पिता और भाई के साथ गणपति बप्पा को समर्पित इस गीत को गाना मेरे लिए बहुत खास है। हम ऐसा गीत बनाना चाहते थे, जो हर घर में खुशियां और उत्सव का माहौल लेकर आए। 'जय श्री गणेश' अब दुनिया भर में टाइम्स म्यूजिक और सभी बड़े म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। इस गीत को भगवान गणेश के लिए एक भव्य भक्ति गीत बताया जा रहा है, जिसका संगीत केदार पंडित ने तैयार किया है और बोल नचिकेत जोग ने लिखे हैं। इससे पहले, शंकर महादेवन ने मुंबई में रेस्टोरेंट्स की एक श्रृंखला शुरू करने की बात कही थी, जिसकी प्रेरणा लेखक आरके नारायण के काल्पनिक शहर मालगुडी से ली गई है। उनके रेस्टोरेंट्स मुंबई के लोकप्रिय इलाकों जैसे चेंबूर, बोरिवली और लोअर परेल में होंगे।

46 साल बाद साथ आ रहे हैं रजनीकांत और कमल हासन

चेन्नई/एजेन्सी

साउथ इंडियन सिनेमा के दो बड़े सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन की जोड़ी कई फिल्मों में दिखाई दे चुकी है। इनमें 'अपूर्व रागंगल', 'अवल अप्पादिथन', '16 वैयाथिनिले', 'इलामै ऊंजल आदुकिराथु', 'थिल्लू मुल्लू' और 'निनैथले इनिक्कूम' जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं। इन दोनों स्टार्स को साथ में देखने के लिए दर्शक उत्सुक रहते हैं।

इस जोड़ी को आखिरी बार हिंदी फिल्म 'गिरफ्तार' में देखा गया था। यह साल 1985 में रिलीज हुई थी। अब खबर आई है कि करीब 46 साल बाद ये दोनों साथ में एक फिल्म करने जा रहे हैं। इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे साउथ के बेस्ट डायरेक्टर्स में से एक लोकेश कनकराज। इंडस्ट्री इंसाइडर श्रीधर पिल्लई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दोनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए ये जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दोनों लगभग 46 साल बाद साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले खबर आई थी कि कुछ दिनों पहले ही लोकेश कनकराज ने दोनों सुपरस्टार्स से मुलाकात कर फिल्म की स्टोरी बताई थी। इस फिल्म को राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल प्रोड्यूस कर सकता है।

कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कमल हासन नायक और रजनीकांत खलनायक की भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। रजनीकांत हाल ही में कमल हासन की बेटी श्रुति हासन के साथ फिल्म कुली में दिखाई दिए थे। इस फिल्म को लोकेश कनकराज ने ही डायरेक्ट किया है।

इसमें आमिर खान और नागार्जुन जैसे सितारे भी हैं। यह 14 अगस्त को रिलीज हुई थी। दर्शक इस मूवी को काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं कमल हासन की लास्ट मूवी ठग लाइफ थी। इस फिल्म को मणिरत्नम ने डायरेक्ट किया था। ये एक गैंगस्टर ड्रामा थी जिसने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं किया था। कमल हासन लोकेश कनकराज के साथ पहले भी काम कर चुके हैं। उनकी ब्लॉकबस्टर मूवी विक्रम उन्होंने ही डायरेक्ट की थी।

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का हिस्सा होंगे बॉबी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान नेटफ्लिक्स की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं। हालांकि, वे एक्टर नहीं बल्कि एक निर्देशक के रूप में इस सीरीज से डेब्यू करने जा रहे हैं। किंग खान के फैंस इसका इंतजार काफी दिनों से कर रहे थे। इस सीरीज में फेमस बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल भी हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद एक पोस्ट शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर दी है। इसे शेयर करते हुए बॉबी देओल ने लिखा, परदा गिरने का इंतजार कर रहे हो? ये शो परदा फाड़कर आ रहा है। 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रीव्यू आज शाम को आएगा। इस पोस्ट के साथ बॉबी देओल ने एक तस्वीर भी शेयर की है। इसमें वे सेंटर में खड़े नजर आ रहे हैं। उनके साथ इस पोस्टर में राघव जुयाल, मनोज पाहवा, मोना सिंह, लक्ष्य लालवानी, साहिर बांबा और गौतमी कपूर जैसे स्टार भी दिख रहे हैं। मंगलवार को शाहरुख खान का अपने बेटे संग एक वीडियो भी जारी किया गया था। इस वीडियो को नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'प्रीव्यू अभी बाकी है मेरे दोस्त, 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रीव्यू कल जारी किया जाएगा।'

वीडियो में शाहरुख खान और आर्यन खान दोनों नजर आ रहे हैं। पहले शाहरुख आते हैं और कहते हैं, 'पिक्चर तो सालों से बाकी है,' और बाद में आर्यन कहते हैं, 'लेकिन शो तो अब शुरू होगा।' इसके बाद सीरीज से जुड़े किरदारों की झलक दिखाई देती है।बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख के बेटे आर्यन खान ने इस सीरीज को लिखा भी है। इस शो में फिल्म इंडस्ट्री की चमक-दमक, ग्लैमर और गपशप को लोगों के सामने पेश किया जाएगा। इसका प्रीव्यू 20 अगस्त को रिलीज किया जाएगा।कुछ दिनों पहले इसका टीजर रिलीज किया गया था जिसे देखने के बाद फैंस काफी उत्साहित हो गए थे। कहा जा रहा है कि इसमें शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, करण जौहर और कई अन्य कलाकारों के भी कैमियो होंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 21-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

अभातेयुप से राजाजीनगर के शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी मंगलवार को संगठन यात्रा पर तेरापंथ भवन राजाजीनगर पहुंचे। तेयुप के अध्यक्ष जितेश दक की अध्यक्षता में सार संभाल यात्रा हुई।

बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बैठक : बेंगलूरु के श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा 4 सितंबर से आठ दिवसीय सदगुरु शरणम यात्रा संघ का आयोजन किया जा रहा है जिसकी व्यवस्था एवं रूपरेखा बनाने हेतु विमलनाथ दादावाड़ी भवन में संघ के आयोजकों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें विमान व बस द्वारा खरतरगच्छ के चारों दादा गुरु देवों की जन्मस्थली एवं स्वर्गभूमि के दर्शन के साथ कापड़ाजी, ओस्त्रा, ओसियां, जैसलमेर, बाड़मेर, धोलका आदि तीर्थ स्थानों की स्पर्शना भी होगी। बैठक में तैयारियों पर समीक्षा की गई।

सोते हुए को जगाने आता है पर्युषण पर्व : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण पर्व के प्रथम दिन प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि पर्व जीवन में परिवर्तन के लिए आते हैं। महापुरुषों के चरित्र बार बार सुनेंगे तो कभी न कभी आत्मा पर चोट करेंगे।

पर्युषण पर्व सोते को जगाने आता है। भगवान महावीर के निर्वाण के 980 वर्ष बाद आगम का लेखन हुआ। अंतगड दशा आठवां अंग आगम है, जो आठ दिन पढ़ा जाता है। इन दिनों हम अपने निकट आएं, कर्मों का लेखा जोखा करें और कर्म किले पर विजय पाएं। इस प्रसंग पर प्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि जब तक शरीर पर बुढ़ापा हावी न हो जाए, बीमारी न आए और इंद्रियां शिथिल न हो, तब धर्म साधना कर लेनी चाहिए। हम प्रगति की नहीं बल्कि अपनी गति की चिंता करें। जिस उम्र में साधन जुटाने की शक्ति हो, साधना भी उसी उम्र में कर लेनी चाहिए। धन जुटाने की उम्र ही धर्म करने की श्रेष्ठ उम्र होती है। श्रेष्ठ गृहस्थ साधन और साधना संपन्न होने चाहिए। संवत्सरी की पूर्व तैयारी के लिए पर्युषण के दिन होते हैं।ङ्कसाध्वी श्री रिद्धिप्रभा जी ने शास्त्र वाचन किया। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आगामी आयोजनों की सूचना दी। धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

अभातेयुप निर्देशित संगठन यात्रा पहुंची तेयुप राजाजीनगर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अभातेयुप से राजाजीनगर के शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी मंगलवार को संगठन यात्रा पर तेरापंथ भवन राजाजीनगर पहुंचे। तेयुप के अध्यक्ष जितेश दक की अध्यक्षता में सार संभाल यात्रा हुई। दक ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी आने वाले समय में करणीय कार्यों की जानकारी प्रदान की।

मंत्री अनिमेष चौधरी ने अभी तक किए गए कार्यो का उल्लेख किया एवं बताया कि तेयुप के अध्यक्ष जितेश दक की अध्यक्षता में 40 दिनों में अभी तक लगभग 33 कार्यक्रम सम्पादित किए गए हैं। राष्ट्रीय प्रभारी राकेश दक ने सामायिक साधक अभियान के तहत सामायिक में जुड़ने का आह्वान किया।

एटीडीसी के राष्ट्रीय सहप्रभारी आलोक छाजेड़ ने सीपीएस अगेन, एमबीडीडी दक्षिण के सहप्रभारी कमलेश गन्ना ने आगामी महीने में आने वाले रक्तदान शिविर के बारे में, बेंगलूरु परिषद के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने दक्षिणांचल एवं सरगम सेमीफाइनल, मंत्री प्रदीप चोपड़ा ने युवा वाहिनी एवं चौका सत्कार की, अभातेयुप सदस्य रोहित कोठारी ने जैन संस्कार विधि की जानकारी दी। दिनेश मरोठी ने राजाजीनगर परिषद के कार्यों की सराहना की तथा सीपीएस, पारिवारिक कार्यशाला, बारह व्रत कार्यशाला, 25 बोल कार्यशाला, एमबीडीडी 2.0 ब्रांडिंग और कैम्पस,एटीडीसी डे-केयर के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस मौके पर एमबीडीडी 2.0, दक्षिणांचल एवं सरगम बैनर का अनावरण किया गया। राजाजीनगर एमबीडीडी के संयोजक सची हिंगड़ ने एमबीडीडी 2.0 कैंपस की जानकारी दी। तेयुप के मंत्री अनिमेष चौधरी ने किया। तेयुप उपाध्यक्ष जयंतीलाल गांधी ने धन्यवाद दिया।

सब्सिडी कत्लखानों को नहीं, गौशालाओं को मिले, तो न्याय : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। बुधवार को स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में पर्युषण महापर्व के पहले दिन पांच कर्तव्यों पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि अहिंसकों और शाकाहारियों की उदासीनता पीड़ादायक है। कभी आजादी के समय देश में 300 कत्लखाने थे, आज लाइसेंस वाले कत्लखानों की संख्या 39000 से अधिक हो गई है। बिना लाइसेंस के पता नहीं हिंसा का कितना कारोबार चलता होगा। यह अन्याय, अत्याचार रुकना चाहिए। हर हालत में हिंसा कम होनी चाहिए। पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में बोलते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि लोकतंत्र में न्याय पाना दूभर हो गया है।

मुंबई और अन्य क्षेत्रों में कबूतरों के दाना-पानी पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। बेचारे मासूम निर्दोष कबूतर तड़फ-तड़फ कर मर रहे हैं। इससे अधिक मानवजाति की हानि तो शराबघर, जुआघर, वैश्यालय और अन्य प्रतियोगिता कर रहे हैं, पहले उन पर ताले लगाने चाहिए। धर्मशास्त्र कहते हैं कि हिंसा, अन्याय, अत्याचार हमेशा दुःख के रूप में प्रतिफल बनकर आते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि जीवहिंसा सामाजिक असभ्यता है। कुवृत्तियों से हिंसा जन्म लेती है। राम, कृष्ण, महावीर और बुद्ध के इस देश से मांस एवं जिंदे पशुओं का निर्यात होना अत्यंत शर्मनाक है। स्पष्ट रूप से यह अपने देश के अर्थतंत्र का कत्ल है। यह नीति राष्ट्र की ऋषि और कृषि परंपरा के लिए कलंक है। इससे देश और ज्यादा गरीब व दुःखी होगा। हिंसा की हाय से विपदाएं आती हैं। कोई शक्ति उन्हें टाल नहीं सकेगी। हिंसा दुःखों के अलावा कहीं नहीं ले जाती। अहिंसा ही शुद्ध व सात्विक भावों की गंगोत्री है। अहिंसा में शांति, उन्नति और निरापद स्थिति है। सरकारों द्वारा पोल्ट्रीफार्म, मत्स्य उद्योग और कत्लखानों को दी जाती सब्सिडी पूरी तरह बंद होनी चाहिए। इसके लिए अहिंसकों और शाकाहारियों को देशव्यापी आंदोलन करना चाहिए। न्याय व नीतिकारक बात यही है कि गौशालाओं और पशु-पक्षी पालक संस्थाओं को सब्सिडी मिलनी चाहिए। सरकारों को सर्वोच्च न्यायालय का यह आदेश भी अमल में लाना चाहिए कि मारने से बचाने का अधिकार महत्वपूर्ण है। जब किसी को मारने का अधिकार है तो बचाने का अधिकार उससे ऊपर होना चाहिए।ङ्कसंघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि समाज के भविष्य की अनेक कल्याणकारी योजनाओं को सभा में आखिरी रूप दिया गया। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि पर्व के पहले दिन सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर जिनेश्वर की पूजा-अर्चना, दोनों समय प्रतिक्रमण और महाआरती में भाग लिया। संघ के कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

आध्यात्मिक पर्व है पर्युषण महापर्व : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने बुधवार को पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस पर पर्युषण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्युषण एक आध्यात्मिक पर्व है। इस पर्व को मनाने के लिए देवलोक से देवता भी मेरु पर्वत पर आकर अष्ट दिवस तक इस पर्व को धूमधाम से महोत्सव के रूप में मनाते हैं। संसार के भौतिक राग रंग को छोड़कर, आमोद प्रमोद, सांसारिक प्रवृत्तियों को छोड़कर आध्यात्मिक साधना, तप त्याग आराधना, सामायिक, प्रतिक्रमण संवर दया पौषध, उपवास, जप तप के साथ प्रतिदिन प्रार्थना, प्रवचन जिनवाणी श्रवण करना और अपनी आत्मा के निकट रहना ही पर्युषण पर्व का महान संदेश जगत के जीवन के लिए और साधक आत्माओं के लिए कर्म निर्जरा की पावन प्रेरणा प्रदान करता है।

यह पर्व अंधकार से प्रकाश की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, पशुता से मानवता की ओर एवं भोग से त्याग की ओर ले जाने का सुंदर अनुष्ठान भाव महायज्ञ है।ङ्कमुनिश्री ने पर्युषण पर्व मनाए जाने के आगमिक संदर्भों की सब विस्तार व्याख्या करते हुए कहा कि पर्युषण पर्व के इन आठ दिनों में सभी साधकों को संयमित आचरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रोध, मान, माया, लोभ, कषाय, अंहकार के कारण और राग, द्वेष के कारण जीव चौरासी लाख योनियों में जन्म मरण करता रहता है। अपने कर्म को क्षय किए बिना जीव को संसार से मुक्ति नहीं मिलती है। पर्युषण पर्व कर्म क्षय करने का पर्व है। इस पर्व को सभी पर्वों का राजा कहा गया है।

हमें भी इन अष्ट दिवसीय महोत्सव में ज्यादा से ज्यादा प्रभु की भक्ति, धर्म आराधना, स्वाध्याय,जाप, ध्यान, गुरु मुनि, चारित्र आत्माओं के सान्निध्य में जाकर प्रतिदिन भगवान महावीर की जिनवाणी का श्रध्दा भक्ति के साथ प्रवचन सुनने रोज सुबह समय निकालकर जरूर जाना चाहिए और अपनी आत्मा को शुद्ध पवित्र, निर्मल बनाने का प्रयास करना चाहिए। प्रारंभ में रूपेश मुनि जी ने अंतगड सूत्र का वाचन धर्म सभा में किया। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने सभी श्रद्धालुओं को पर्व पर्युषण की मंगल शुभकामनाएं देते हुए सभी आराधकों को व्रत नियम के , तपस्या के प्रत्याख्यान कराते हुए सभी धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को मंगल पाठ प्रदान किया। दोपहर में कल्प सूत्र का वाचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

मन, वचन और काया से अहिंसा हो हमारा प्रथम कर्त्तव्य : मुनि आर्यशेखरविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि आर्यशेखरविजयजी के पर्युषण महापर्व के पहले दिन अपने प्रवचन में कहा कि तीर्थ यात्रा के लिए हमें तीर्थ तक तक जाना पड़ता है, जबकि पर्व हमारे द्वार पर आते हैं, हमें कहीं जाना नहीं पड़ता। ऐसे पर्युषण पर्व का हमें भरपूर लाभ उठाना चाहिए और अपने जीवन का कल्याण करना चाहिए। पर्वों में सबसे बड़ा पर्व है पर्युषण महापर्व, जिसे क्षमापना पर्व भी कहा जाता है। पर्युषण पर्व में अष्टान्हिका ग्रंथ पर प्रवचन होते हैं जिनमें इन दिनों में करने योग्य पांच कर्तव्य बताए गए हैं । पहला अमारी यानी किसी को मारना नहीं सभी जीवों को बचाना। दूसरा साधर्मिक भक्ति यानी जिनेश्वर भगवान को मानने वाले साधर्मिक भाई बहनों का सम्मान करना, तीसरा अठम तप अर्थात तीन दिन उपवास करना (केवल गरम उबला हुआ पानी पीना)। चौथा क्षमापना यानी मिच्छामि दुक्कड़म करते हुए सभी को माफ करना और पांचवा चैत्य परिपाटी अर्थात जिन मंदिरों की यात्रा, दर्शन, पूजन करना। संतश्री ने कहा कि अष्टान्हिका ग्रंथ में कदैया, भदैया, सदैया तीन प्रकार के मनुष्य बताए गए हैं। कभी कभी धर्म करने वाला कदैया, श्रावण-भादों में धर्म करने वाला भदैया और सदा धर्म आराधना करने वाला सदैया होता है। अमारी कर्त्तव्य पर संतश्री ने कहा कि अमारी या अहिंसा यानी किसी को मारना नहीं। हमें कर्म, वचन, काया व भाव से भी हिंसा नहीं करना चाहिए। सभी जीवों व प्राणियों पर दया करना अहिंसा है। दया धर्म का मूल है। क्षमापना की बात समझाते हुए कहा कि जैसे धागे में गांठ होगी तो सुई में प्रवेश नहीं होगा वैसे ही मन में अगर बैर की गांठ होगी तो प्रेम ओर स्नेह नहीं होता। नफरत का भाव जीवन को अशांत बना देता है। क्षमादान हर घाव को ठीक कर देता है। स्वाध्याय करना अच्छा है लेकिन किसकी निंदा न करना भी अच्छा गुण है।आयंबिल का तप करना स्वास्थ्य के लिए लाभ कारक तो है ही, इसी प्रकार होटल का त्याग करना भी आरोग्य के लिए उत्तम है।

वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की राजस्थान परिषद द्वारा परिषद परिवार के सदस्यों के लिए मणिपाल हॉस्पिटल, यशवंतपुर में 15 दिवसीय वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 232 लाभार्थियों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई। शिविर का उद्घाटन परिषद के अध्यक्ष संजय बैद ने किया। शिविर संयोजक पन्नालाल लूनिया, सुशील चोरड़िया, सहसंयोजक विनय बैद एवं दिनेश चोपड़ा ने प्रायोजक हनुमानमल संजय, मनोज बैद परिवार का सम्मान किया। मीडिया प्रभारी दिनेश मरोठी ने सभी को धन्यवाद दिया।

अहिंसा पालन है पर्युषण पर्व का प्रथम कर्त्तव्य : आचार्य प्रभाकरसूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस पर अपने प्रवचन में कहा कि श्रावक को पर्युषण महापर्व के आवश्यक कर्तव्यों को पूरा करना चाहिए जिसमें प्रथम कर्तव्य अमारी अर्थात अहिंसा है। अहिंसा प्राणी मात्र पर दया व अभय दान सहित अपनी आत्मा पर जमे हुए कषायों को भी समाप्त करना है इसलिए हमें हमारे हृदय में प्राणी मात्र के लिए दयाभाव रखना चाहिए। द्वितीय कर्तव्य साधर्मिक भक्ति है, जिसमें विशेष रूप से अहिंसा धर्म का पालन करने वाले साधर्मिकों का जीवन स्तर ऊंचा उठाना होता है। उन्होंने कहा कि संसार में साधर्मिक भक्ति से बढ़ा कोई दूसरा परोपकार नहीं है। व्यक्ति को अपने मानवीय स्वभाव में साधर्मिक भक्ति के पुण्यशाली भाव को ढाल लेना चाहिए। क्योंकि यही मोक्ष का सरल साधन भी है। बुधवार को मोक्षडंड के तपस्वियों द्वारा मोक्षडंड की अष्टप्रकारी पूजा की गई। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने बताया कि प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति थी।

धर्म के बीज बोने का समय है पर्युषण काल : साध्वी कंचनकंवर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी कंचनकंवरजी ने पर्युषण पर्व के पहले दिन अपने प्रवचन में कहा कि पर्युषण पर्व आ गया है और उसका स्वागत है। पुनवाणी के प्रबल उदय से सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है। भाग्यशाली ही पर्युषण पर्व मनाने का लाभ ले सकते हैं। जिस तरह धरती पर बीज बोने पर अधिक फसल प्राप्त होती है, उसी तरह पर्युषण के दिनों में अंतर हृदय में धर्म के ऐसे बीज बोना है, जिसकी फसल अधिक मात्रा में प्राप्त हो। कंचनकंवर जी ने पर्युषण महा पर्व का महत्व समझाया और जप तप त्याग करने की बात कही।

साध्वी अणिमाश्री ने कहा कि मनुष्य जन्म में अब तक हमने पापों का उपार्जन किया है, पर्युषण पर्व उन्हीं पापों को धोने का वक्त है। वैर भाव को हराकर सभी से क्षमा मांगने व करने का समय है। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि बुधवार को जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, मंत्री दिनेश पोरवाल, लादुलाल ओस्तवाल, राष्ट्रीय वैयावच्च मंत्री रतन सिंघी, राष्ट्रीय महिला प्रमुख मार्गदर्शिका आरती बुरड़ आदि उपस्थित थे। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया। संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने संचालन किया।

बेंगलूरु में होगा 'शाकद्वीपीय राष्ट्रीय खेल महाकुम्भ' 12 सितंबर से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज का पहला अखिल भारतीय खेल महाकुम्भ 12 सितंबर से बेंगलूरु में आयोजित होगा। समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा ने बताया कि शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा के नेतृत्व में अखिल भारतीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज का पहला 'सुनील शर्मा नेशनल चैम्पियंस क्रिकेट कप' की तैयारियां चल रही है। इस खेल महाकुम्भ में भारत के सभी राज्यों की टीमों के भाग लेने की संभावना है। तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में टीमों के आवास, परिवहन, भोजन एवं नाश्ता सहित खेल के आयोजन की कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियों का वितरण किया गया। राजेश शर्मा एवं प्रसन्न शर्मा के नेतृत्व में व्यस्थाओं की जिम्मेदारियां तय की गई। यह आयोजन सेंट जोन्स क्रिकेट खेल मैदान में होगा।

मैक्रों ने नेतन्याहू की यहूदी विरोधी टिप्पणी की निंदा की

पेरिस/एपी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उस टिप्पणी को घृणित और भ्रामक करार दिया, जिसमें उन्होंने (नेतन्याहू ने) फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देने की मैक्रों की मंशा को यहूदी विरोध भड़काने वाला बताया था। पिछले महीने मैक्रों की इस घोषणा के बाद हाल के हफ्तों में इजराइल और पारंपरिक सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ गया। इस घोषणा को लेकर ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने मैक्रों का समर्थन किया था जबकि इजराइल ने कड़ा विरोध जताते हुए इसे खारिज कर दिया था। मैक्रों की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने बुधवार को नेतन्याहू के इस आरोप को खारिज कर दिया कि उन्होंने फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देकर इज़राइल के साथ विश्वासघात किया है और वह एक कमज़ोर नेता हैं।

गांधीनगर भवन में नमस्कार महामंत्र अखंड जाप प्रारंभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ सभा के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में पर्युषण महापर्व के उपलक्ष्य में बुधवार को सात दिनों तक चलने वाले अखंड जाप का शुभारंभ मुनि डॉ पुलकितक कुमार जी के सान्निध्य में मंगल पाठ से हुआ। 15 जोड़ें ने एक साथ जप शुरू किया। इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, उपाध्यक्ष लता गादिया, मंत्री विजेता रायसोनी, सहमंत्री विनीता मरोठी, पर्युषण पर्व जाप की संयोजिका कुसुम डांगी, पवन संचेती आदि सदस्याओं की उपस्थित थी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com